संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 308
पृष्ठ 8
रविवार
28 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गलत जूते पहनने से भी होता..

विचार- लोकप्रिय हो रहा है पेड़ जियाओं अभियान

खेल- आठवां खिताब जीतने उतरेगा भारत

2047 में विकसित भारत हर भारतीय की महत्वाकांक्षा : मोदी

पीएम मोदी बैठक में बोले- विकसित भारत बनाने में राज्यों की भूमिका अहम

नीति आयोग की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना हर भारतीय का है। राज्य इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि राज्य लोगों से सीधे तौर पर जुड़े रहते हैं।

नई दिल्ली , एजेंसी। नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह दशक तकनीक और भू–राजनीतिक बदलाव का है। भारत को इस मौके का पूरा फायदा उठाना चाहिए और ऐसी नीतियां बनानी चाहिए, जिससे ज्यादा से ज्यादा विदेशी निवेश भारत में आए।

झूठ बोल रही हैं ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के आरोपों पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, श्सीएम ममता बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लिया। हम सभी ने उन्हें सुना। प्रत्येक सीएम को आवंटित समय दिया गया था और उसे स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया था जो हर टेबल के सामने मौजूद थी.. . उन्होंने मीडिया में कहा कि उनका माइक बंद कर दिया गया था। यह पूरी तरह से झूठ है। प्रत्येक मुख्यमंत्री को बोलने के लिए उचित समय दिया गया था. ..यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, जो सच नहीं है...उन्हें सच बोलना चाहिए, बजाय फिर से झूठ पर आधारित एक कथा का निर्माण करना चाहिए।

विभिन्न मुख्यमंत्रियों के नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने पर केसी त्यागी ने जताई नाराजगी

नीति आयोग की बैठक में कई मुख्यमंत्रियों के शामिल न होने पर जदयू महासचिव केसी त्यागी ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि श्नीति आयोग की बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और फंड आवंटन पर चर्चा होती है। यह राज्यों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया, जो कि उनके ही राज्य के विकास के लिए थी।

केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी पर साधा निशाना

ममता बनर्जी के नीति आयोग की बैठक को बीच में छोड़कर निकलने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि श्नीति आयोग की बैठक में क्या हुआ, उन्हें इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन मैं बस इतना कह सकता हूं कि ये कथित इंडी गठबंधन कोई गठबंधन ही नहीं है। ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी। वे लोगों के जनादेश को पचा नहीं पा रहे हैं और अपना राग अलाप रहे हैं।

2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का दृष्टिकोण पत्र तैयार

भारत को अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की विकसित अर्थव्यवस्था बनने में मदद करने के लिए एक 'दृष्टिकोण पत्र' तैयार किया जा रहा है। नीति आयोग को 2023 में 10 क्षेत्रीय विषय पर दृष्टिकोणों को समेकित कर 'विकसित भारत एट 2047' के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण तैयार करने का कार्य सौंपा गया था। इस दृष्टिकोण पत्र में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरण अनुकूल उपाए और संचालन व्यवस्था शामिल हैं।

नीति आयोग की बैठक में नहीं पहुंचे नीतीश कुमार

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए बिहार के सीएम नीतीश कुमार। नीतीश कुमार के बैठक में नहीं आने की वजह का अभी खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि बिहार के दोनों डिप्टी सीएम नीति आयोग की बैठक में शामिल बताए जा रहे

केंद्र सरकार पर बरसीं ममता बनर्जी

दिल्ली में नीति आयोग की बैठक पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, श्तीन साल से हमारा 100 दिन का काम(मनरेगा) बंद करके रखा, आवास योजना बंद करके रखा। ऐसे कोई सरकार नहीं चलती। आप अपनी पार्टी और दूसरी पार्टी में भेदभाव नहीं कर सकते, आप केंद्र में सत्ता में हैं। आपको सभी का ध्यान रखना होगा।

नीति आयोग की बैठक में इन मुद्दों पर बात

नीति आयोग की बैठक में साल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर फोकस किया गया है। इस बैठक का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच सहभागी संचालन तथा सहयोग को बढ़ावा देना, वितरण तंत्र को मजबूत करके ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है। बैठक में पिछले साल दिसंबर में आयोजित मुख्य सचिवों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी गौर किया जाएगा।

हापुड़ में बनेगा नया कन्वेंशन सेंटर

17,409 वर्ग मीटर क्षेत्र में होगा निर्माण

लखनऊ योगी सरकार द्वारा जल्द ही हापुड़ में नए कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी द्वारा हापुड़ के विकास को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी, जिसे क्रियान्वित करते हुए हापुड़–पिलखुआ विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) ने कार्य शुरू कर दिया है। एचपीडीए द्वारा विकसित आनंद विहार योजना के सेक्टर एच में इस नए कन्वेंशन सेंटर का निर्माण होगा। यह कन्वेंशन सेंटर 17,407 वर्ग मीटर में विकसित होगा और इसके निर्माण व विकास कार्य के लिए एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। माना जा रहा है कि अगस्त महीने की शुरुआत तक एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन को पूरा कर लिया जाएगा जिसके बाद तेजी से कन्वेंशन सेंटर के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

3डी व हाई रिजोल्यूशन युक्त डीटेल्ड वॉक व्यू समेत डीपीआर बनाएगी एजेंसी

कार्ययोजना के अनुसार, एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन के बाद चयनित एजेंसी को साइट का सर्वे कर डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना होगा। इसमें आर्किटेक्चरल डिजाइन, कंप्लीट ले–आउट प्लान के साथ ही सभी खंडों व उन पर विकसित होने वाली सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत करना होगा।

सैयदा आनोवारा खातून की कविता विशेषांक का हुआ लोकार्पण

विश्वनाथ। नवलेखन शिविर केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा विभाग(उच्चतर शिक्षा,)भारत सरकार द्वारा तथा विश्वनाथ चारि आलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पाचं दिवसीय नव लेखन शिविर के तीसरे दिन आज दिनांक27.07.2023 दोपहर दो बजे प्रयागराज उत्तर प्रदेश शहर समता महिला काव्य मंज से निकली सैयदा आनोवारा खातुन जी की चार पैज की कविता और कहानी विशेषांक का बड़ी ही धुम धाम से खुशी और उल्लास के साथ लोकार्पण किया गया।

इस सुअबसर पर उपस्थित थे बहुत सारे साहित्य प्रेमी ,लेखक, लेखिका कवि कवियत्री विद्यालय महाविद्यालय के विद्यार्थीगण अध्यापक, प्राचार्या और हिंदी विद्वान महानुभावगण सभी ने सैयदा आनोवारा खातुन की इस साहित्य सृजनात्मक शक्ति को सराहाऔर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी । सैयदा जी असम की दूसरी महिला है जिसे इस विशेषांक के लिये प्रयाग राज में ष्सावित्री देवी ष्सम्मान से सम्मानित भी किया गया। विशेषांक के मुख्य सम्पादक आदरणीय उमेश श्रीवास्तव जी को इस कार्य के लिए इस शुअवर पर सभी ने धन्यवाद और शुभकामनाएं प्रेषित की।

नीति आयोग की बैठक को बीच में ही छोड़ कर बाहर आई ममता बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल (शासी परिषद) की बैठक आज नई दिल्ली में आयोजित हो रही है। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। सियासी हंगामा लगातार जारी है। दरअसल, बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए कुछ गैर भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने इस बैठक से किनारा किया। वहीं, विपक्षी गठबंधन की ओर से एकमात्र पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसमें शामिल हुईं। मगर थोड़ी देर बाद ही वह भी बैठक को बीच में ही छोड़कर बाहर आ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया गया।

क्या हैं ममता बनर्जी के आरोप?: दिल्ली में नीति आयोग की बैठक पर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, श्तीन साल से हमारा 100 दिन का काम (मनरेगा) बंद करके रखा, आवास योजना बंद करके रखा। ऐसे कोई सरकार नहीं चलती। आप अपनी पार्टी और दूसरी पार्टी में भेदभाव नहीं कर सकते, आप केंद्र में सत्ता में हैं। आपको सभी का ध्यान रखना होगा।

मैं बोलना चाहती थी...: सीएम : गुस्साईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया, श्मैंने बैठक में कहा कि आपको (केंद्र सरकार) राज्य सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं बोलना चाहती थी लेकिन मुझे सिर्फ पांच मिनट ही बोलने की इजाजत मिली। मुझसे पहले जिन लोगों ने बोला वह 10–20 मिनट तक बोले। विपक्ष की तरफ से मैं अकेली इस बैठक में हिस्सा ली। लेकिन फिर भी मुझे बोलने की अनुमति नहीं दी गई। यह अपमानजनक है।

मेरा माइक बंद कर दिया गया : बंगाल सीएम ने आगे आरोप लगाया, श्जब मैं बोल रहीं थी उस समय मेरा माइक बंद कर दिया गया। मैंने पूछा कि मुझे क्यों बोलने से रोका गया। मेरे साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है। आपको अपनी पार्टी और सरकार को अधिक अवसर देने के बजाय इस पर खुश होना चाहिए कि मैं बैठक में शामिल हुईं।

भगवान राम के संदर्भ को मिटाना चाहती है कांग्रेसः मालवीय

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक के रामनगर जिले का नाम बदल बेंगलुरु दक्षिण करने के मुद्दे पर कांग्रेस पर हमला बोला है और कहा है कि भगवान राम के संदर्भ को मिटाने का यह एक और प्रयास है। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ष्कर्नाटक में भगवान राम के संदर्भ को मिटाने का यह एक और प्रयास है। कांग्रेस ने पहले हलफनामे में भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया था और तब से उनका (कांग्रेस) अपना अस्तित्व सवालों के घेरे में आ गया है। कांग्रेस ऐसे फैसलों से अपनी ही मृत्युलेख लिख रही है। उन्होंने अपने पोस्ट के साथ एक अखबार की खबर को भी संलग्न किया है।

गर्लफ्रेंड ने बात नहीं की, उसकी दोस्त को मार डाला

बेंगलुरु के पीजी में घुसकर चाकू से 20 वार किए, फिर गला रेता, आरोपी भोपाल से गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु में एक 24 साल की लड़की की पीजी में हत्या कर दी गई। घटना 23 जुलाई की है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया। इसमें देखा जा सकता है कि आरोपी रात 11 बजे लड़की के पीजी पहुंचा। दरवाजा खटखटा कर उसे बाहर निकाला। इसके बाद गैलरी में चाकू से वार किया। आरोपी ने लड़की को दो मिनट

के अंदर 20 बार चाकू से गोदा, फिर गला रेत दिया और फरार हो गया। शोर सुनकर पीजी में रह रहीं बाकी लड़कियां बाहर आईं, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। बाद में लड़की ने वहीं दम तोड़ दिया। यह घटना वेंकटरेड्डी लेआउट स्थित भार्गवी स्टेइंग होम्स फॉर लेडीज में घटी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। उसने जिस लड़की को मारा उसका नाम कृति है। वह बिहार की रहने वाली थी। पुलिस ने आरोपी को मध्य प्रदेश के भोपाल से अरेस्ट कर लिया।

आरोपी लड़की की दोस्त का बॉयफ्रेंड, हत्या की वजह आपसी लड़ाई : पुलिस के मुताबिक आरोपी, कृति की रूममेट का बॉयफ्रेंड है और वह बेरोजगार है।

कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में एक घुसपैठिया ढेर, एक अधिकारी समेत पांच जवान घायल

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के करीब माछिल सेक्टर के कुमकारी इलाके में शनिवार को सेना के सतर्क जवानों ने एक घुसपैठिया को मार गिराया, लेकिन दोनों ओर से हुई गोलीबारी में सेना के एक अधिकारी सहित पांच जवान घायल हो गये। अधिकारियों ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माछिल सेक्टर के कुमकारी सेक्टर में आज सुबह सतर्क भारतीय सेना के जवानों ने बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी) की कार्रवाई को नाकाम कर दिया है। जिसमें पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया है। सेना श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "नियंत्रण रेखा पर माछिल सेक्टर के कुमकारी में एक अग्रिम चौकी पर गोलीबारी हुई है।

वर्षा चित्र

हरियाली चहुँ ओर-हिरन वन घूमत डोलें।
संग-साथ बरसात , चकित मन हर्षित होले ।
पपिहा गावत गीत , कहूँ बक ध्यान लगावत।
सरिता के तट उफनि-उफनि कर नृत्य दिखावत

बदरा की बूँदन संग आयो, नभ धरणी पर।
हरी चुनरिया ओढ़,धरनि बैठी सिंगार कर।
पशु-पक्षी रस-मग्न भये, बरखा को निरख कर।
तटिनी को मन उमगि चल्यो,तट बन्ध तोड़कर।

मनभावन सावन आयो है आजा साजन।
कर सिंगार अब लगा लियो आँखिन में आंजन।
तपती धरती तृप्त भई, आयो जो सावन।
अंग-अंग सब उमगि रहे,आओ मनभावन।।

डॉ सुषमा त्रिपाठी
116/52
राणा प्रताप नगर कानपुर
8840734185

पवार बोले- कोर्ट ने जिसे तड़ीपार किया, वो आज गृहमंत्री

हमें सोचना होगा, शाह ने 6 दिन पहले पवार को भ्रष्टाचार का सरगना कहा था

संभाजी, एजेंसी। नगर एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। पवार ने कहा– कुछ दिनों पहले गृह मंत्री ने मेरे खिलाफ कुछ बातें कहीं। उन्हें मैं याद दिला दूं कि आज जो आदमी देश का गृह मंत्री है, वह ऐसा व्यक्ति है जिसने गुजरात के कानून का दुरुपयोग किया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तड़ीपार (राज्य से बाहर) कर दिया था। अमित शाह को 2010 में सोहराबुद्दीन शेख फर्जी एनकाउंटर मामले में दो साल के लिए राज्य से बाहर कर दिया गया था। बाद में उन्हें 2014 में इस मामले में बरी कर दिया गया। पवार ने इसी को लेकर शाह पर टिप्पणी की। दरअसल, 21 जुलाई को पुणे में अमित शाह भाजपा के कार्यक्रम में शमिल हुए थे। उन्होंने कहा था कि विपक्ष हम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है, लेकिन भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े सरगना शरद पवार हैं। अगर देश में किसी भी सरकार में किसी राजनेता ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया है, तो वह शरद पवार हैं और मुझे इस बारे में बिल्कुल भी संदेह नहीं है।

महाराष्ट्र में सियासी हलचल बढ़ी, इसी साल होना है विधानसभा चुनाव

महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी की असल वजह आगामी विधानसभा चुनाव हैं। महाराष्ट्र सहित देश के 4 राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होंगे। 14 दिन पहले महाराष्ट्र में विधान परिषद (एमएलसी) के चुनाव हुए थे। एनडीए को जबर्दस्त जीत मिली थी। गठबंधन ने 11 में से 9 सीटें जीतीं थीं।

भारत की क्षमताओं की परीक्षा लेने वालों के सिर कुचल दिये जायेंगे: मनोज सिन्हा

नयी दिल्ली, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि देश में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है और चेतावनी दी है कि जल्द ही उन लोगों के सिर कुचल दिये जायेंगे जो भारत के धैर्य और क्षमताओं की परीक्षा लेना चाहते हैं। सिन्हा ने शुक्रवार को यहां जम्मू–कश्मीर संभव उत्सव 2.0 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बल देकर कहा ,ष्जम्मू क्षेत्र में, चाहे वह जम्मू–कश्मीर पुलिस हो, सेना के हमारे बहादुर सैनिक हों या हमारे सीएपीएफ जवान हों, एक रणनीति तैयार की गई है और यह समय की बात हैय जो लोग यहां समस्याएं उत्पन्न कर रहे हैं उनका भी वही हश्र होगा जो दूसरों का हुआ।" उपराज्यपाल कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद डॉ. कर्ण सिंह द्वारा उठाई गई चिंताओं का जवाब दे रहे थे। डॉ. सिंह ने कहा , "विकास के लिए सुरक्षा बहुत आवश्यक है। पिछले चार से छह हफ्तों में जम्मू क्षेत्र में हुई आतंकवादी घटनाओं ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। मैं उपराज्यपाल से सेना, पुलिस और अन्य एजेंसियों की मदद से इन घटनाओं में वृद्धि के कारण का पता लगाने का आग्रह करता हूं।"

सिन्हा ने कहा , "यह सच है कि जम्मू क्षेत्र से आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया हो गया था। आतंकवाद के खात्मे के बाद स्वाभाविक है कि पहले जो प्रतिष्ठान थे, वे कमजोर हुए हैं। आंकड़ों को देखते हुए, मैं कह सकता हूं कि पिछले चार वर्षों में क्या–क्या बदल गया है और मैंने उन आंकड़ों को नहीं दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि कश्मीर में सभी बड़े आतंकी संगठनों के कमांडर जीवित नहीं हैं और नई भर्तियां लगभग ना के बराबर हुई हैं।" उन्होंने कहा, "जम्मू क्षेत्र में, हमारा पड़ोसी देश, जो अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराने में असमर्थ है, हमारी क्षमताओं का परीक्षण करने का दुस्साहस कर रहा है।

प्रयागराज में ट्रक और तेज रफ्तार डीसीएम की जोरदार टक्कर

हंडिया। प्रयागराज के हंडिया कोतवाली के अंतर्गत आने वाले भीटी ओवर ब्रिज पर शुक्रवार देर शाम ट्रक और डीसीएम में आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई स दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस गंभीर रूप से घायल दोनों वाहन चालक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहां ले गई स जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे

की हालत नाजुक देखते हुए उसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक अंकित पाल पुत्र नागेंद्रपाल निवासी गांव बरना थाना जैथरा जनपद एटा से ट्रक लेकर वाराणसी की तरफ जा रहा था। वह जैसे ही हंडिया कोतवाली से आने वाले भीटी ओवर ब्रिज पर पहुंचा कि सामने से तेज रफ्तार बेकाबू डीसीएम से उसकी जोरदार टक्कर हो गई स टक्कर इतनी जोरदार की थी कि दोनों वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी स सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दोनों वाहन चालक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊपरदहां ले गई । जहां डॉक्टरों ने फरीदाबाद निवासी डीसीएम चालक आकाश को मृत घोषित कर दिया स जबकि गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक अंकित पाल को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया स फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर लिखा–पढ़ी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।

ब्लैक लिस्टिंग मामलों में न्याय के सिद्धांतों का पालन हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रिट क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते समय न्यायालयों को ब्लैक लिस्टिंग आदेश की जांच करने का अधिकार है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतो का पालन किया गया है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने कहा कि राज्य संस्थाओं को काली सूची में डालने की शक्ति तो दी गई है, लेकिन उन्हें निष्पक्षता और तर्कसंगतता का पालन करना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि किसी ठेकेदार को काली सूची में डालने का कोई भी सरकारी या सार्वजनिक प्राधिकरण का निर्णय न्यायिक समीक्षा के लिए खुला है, जिससे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों, विशेष रूप से ऑडी अल्टरम पार्टम और आनुपातिकता के सिद्धांत का पालन सुनिश्चित होता है। इसका मतलब है कि अदालतें ऐसे निर्णयों की जांच कर सकती हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे न्यायसंगत और संतुलित हैं।

जानिये ब्लैक लिस्टेड मामले में कोर्ट ने क्या कहा : मामले के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के वाणिज्यिक परिचालन के मुख्य महाप्रबंधक द्वारा कैथी कैथी शुल्क प्लाजा चलाने के लिए अपने अनुबंध को समाप्त करने के खिलाफ याची ए के कन्सट्रक्शन कंपनी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसके अलावा याची को को छह महीने की अवधि के लिए पूर्व–योग्य बोलीदाताओं की सूची से बाहर कर दिया गया था। याची का कहना था कि कारण बताओ नोटिस पूर्व नियोजित मानसिकता के साथ जारी किया गया था और आदेश पारित करते समय याचिकाकर्ता के जवाब पर विचार नहीं किया गया था। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया कि हर्जाना और साथ ही निषेधाज्ञा लगाना आनुपातिकता के सिद्धांत के खिलाफ है। इसके विपरीत, एनएचएआई के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से कई उल्लंघनों के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

सद्दाम की लाल डायरी में अतीक–अशरफ के राज

कौशांबी के पूर्व विधायक के साथ प्लाटिंग, 5 बड़े बिल्डर के साथ करोड़ों की फंडिंग का लेखा–जोखा

प्रयागराज। माफिया अतीक–अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज पुलिस के टारगेट पर ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपराध ा से अकूत संपत्ति बनाई है। इसी कड़ी में अशरफ के साले सद्दाम की फॉर्च्यूनर कार से एक लाल डायरी मिली है। इसमें अतीक, अशरफ और जैनब के नाम कई ऐसी प्रॉपर्टी हैं, जिनकी जानकारी पुलिस को नहीं थी। प्रयागराज के 5 से ज्यादा बड़े बिल्डर और कारोबारियों के साथ मिलकर उनके धंधे में लगाई गई करोड़ों रुपए का लेखा–जोखा है। कौशांबी के पूर्व विधायक के साथ प्लाटिंग की डिटेल भी लिखी है। करेली की एक मल्टीस्टोरी बिल्डिंग से 3–3 महीने पर 10 से 12 लाख रुपए का लेन–देन सामने आया है। पुलिस लाल डायरी के फैक्ट को जांच में शामिल कर रही है।

जेल में अतीक–अशरफ, बाहर धंधा सद्दाम संभालता रहा

पुलिस के मुताबिक, अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या 15 अप्रैल, 2023 को हुई थी। इससे पहले अतीक करीब 7 साल जेल में रहा। दूसरी तरफ अशरफ बरेली जेल में बंद था। बाहर अशरफ का साला सद्दाम बिजनेस संभालता था। अशरफ ने सबकुछ सद्दाम

को बता दिया था, ताकि रुपए का हिसाब–किताब वह देख सके।

सिटी प्रोजेक्ट में कई करोड़ की फंडिंग, 5 बिल्डर के नाम सामने आए

पुलिस ने 28 सितंबर 2023 को अशरफ के साले सद्दाम को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। उस पर बरेली में एक लाख का इनाम घोषित था। 19 जुलाई 2024 को सद्दाम की फॉर्च्यूनर बरामद की गई। शुक्रवार को फॉर्च्यूनर को कुर्क करने की कार्रवाई से पहले पुलिस ने जब गाड़ी की तलाशी ली तब लाल डायरी बरामद हुई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सद्दाम की लाल डायरी में धूमनगंज इलाके में तैयार हो रही सोलिवर सिटी का जिक्र मिला है। इस प्रोजेक्ट में 5 करोड़ रुपए 10 साल पहले की तारीख में दर्ज हैं। इसके बाद कई लेन–देन हैं, उसकी भी तारीखें साल दर साल दर्ज हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि इस प्रोजेक्ट से 5 से ज्यादा बिल्डर जुड़े हुए हैं। पुलिस को इस प्रोजेक्ट में अतीक–अशरफ की फंडिंग की जानकारी नहीं थी। डायरी से इनपुट मिलने के बाद पुलिस ने करीब 9 ठेकेदारों से अलग–अलग पूछताछ की है। सद्दाम की गिरफ्तारी के बाद उसने इस प्रोजेक्ट की फंडिंग के बारे में बताया भी था।

करेली की बिल्डिंग में पार्टनरशिप

लाल डायरी में करेली के एक प्रॉपर्टी डीलर से पार्टनरशिप की बात लिखी। करेली में मल्टीस्टोरी बिल्डिंग में भी अशरफ के कई करोड़ रुपए लगे हैं। डायरी में हर 3 महीने पर 10–12 लाख रुपए का लेनदेन हुआ है। माना जा रहा है कि ये लेन–देन दुकानों के किराए का है।

पूर्व विधायक के साथ प्लाटिंग का लेखा–जोखा

इस डायरी में कौशांबी के एक पूर्व विधायक के साथ प्लाटिंग का लेखा–जोखा भी मिला है। इसमें दर्ज है कि प्लाटिंग करने के बाद कितनी जमीन पूर्व विध ायक के लोगों ने बेची। उनसे कितना रुपया आया। वो रुपया कहां–कहां इन्वेस्ट किया गया।

पूरामुफ्ती से लेकर कौशांबी बॉर्डर तक किसानों की जमीनों का जिक्र

पुलिस को इस डायरी में पूरामुफ्ती, झलवा और कौशांबी बॉर्डर पर किसानों के नाम का भी जिक्र मिला है। सल्लाहपुर में 2 प्लाट को बेचने का जिक्र है। इसमें कितने रुपए मिले, यह लिखा हुआ है। हालांकि जमीन किसको दी गई, उनके नाम नहीं लिखे हैं। डीसीपी ने कहा– सद्दाम की बेनामी संपत्ति खंगाली जा रही हैं। फॉर्च्यूनर कार कुर्क हो गई है। उसमें कुछ जरूरी दस्तावेज और लाल डायरी मिली है। उसमे कई गोपनीय जानकारी हैं।

नैनी, बरेली जेल में अशरफ रहा तो सद्दाम ने संभाला धंधा

असल में अशरफ कई साल तक नैनी जेल में रहा। उसके बाद उसे बरेली भेजा गया। अशरफ के जेल में रहने के दौरान उसकी कमाई का हिसाब सद्दाम रखने लगा। इसमें करोड़ों की ऐसी कमाई शामिल है, जो अतीक परिवार से अलग रही है। यही वजह है कि अशरफ इस मामले में अपनी पत्नी के भाई पर भरोसा कर रहा था।

सद्दाम पर लगी है चार्जशीट

बदायूं जेल में बंद अशरफ के साले सद्दाम के खिलाफ बिथरीचौनपुर और बारादरी थाने में दर्ज मुकदमों में चार्जशीट लग चुकी है। बिथरीचौनपुर थाना पुलिस गैंगस्टर के मामले में सद्दाम समेत 11 आरोपियों की संपत्ति के चिह्नीकरण की कार्रवाई कर रही है। बरेली पुलिस प्रयागराज पुलिस को साथ लेकर सद्दाम की संपत्ति का चिह्नीकरण कर रही है। प्रयागराज पुलिस सद्दाम की पांच संपत्तियों को चिह्नित कर चुकी है।

दुबई में भी लगा है अशरफ का पैसा

सद्दाम ने कई साल दुबई में गुजारे हैं। वह दुबई में भी आलीशान जिंदगी जीता रहा है। वहां लग्जरी गाड़ियों से चलता था। उसके मार्फत अशरफ ने दुबई में भी कई करोड़ रुपए निवेश किए थे। अतीक–अशरफ की मौत के बाद दुबई में संपत्ति के मामले में जांच शुरू हुई थी। अब जब सद्दाम पर शिकंजा कस रहा है तो फिर दुबई में निवेश को लेकर जांच होने लगी है।

कंट्रोल रूम से होगी माध्यमिक विद्यालयों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग

प्रयागराज के जेडी ऑफिस में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने किया कंट्रोल रूम का उद्घाटन

प्रयागराज। अब राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की व्यवस्था शुरू हो गई है। शनिवार

को कंट्रोल रूम में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने जेडी ऑफिस में तैयार कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया। माध यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने फीता काटकर उदघाटन किया। डॉ. महेंद्र देव ने कहा कि हमारे बच्चे मेधावी हैं। इन्हें सही गाइडेंस की जरूरत है। इन बच्चों में किसी कौशल की कमी न हो इसका प्रयास हो रहा है। इसके उद्देश्य से यह व्यवस्था शुरू की गई है। इसमें अभिवावक और शिक्षकों के सहयोग की जरूरत है। रिटायर्ड शिक्षकों से भी आह्वान करेंगे कि वह हमारे यहां आकर पढाएं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज मंडल में जो प्रयास किया गया है यह सराहनीय है। इसे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी होगी। कहा कि इस कंट्रोल रूम का वह फीडबैक भी लेंगे। प्रयास यह है कि हमारे सभी विद्यालय कैमरे के सामने हों। 2300 राजकीय विद्यालय हैं पूरे प्रदेश में सभी में यही व्यवस्था की जाएगी। मंडल के प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी और फतेहपुर जनपद के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में यह व्यवस्था शुरू हो गई है। प्रयागराज मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक दिब्यकांत शुक्ल की ओर से यह पहल शुरू की गई है। दरअसल, माध यमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करने के उद्देश्य से यह सिस्टम लागू किया जा रहा है। क्लॉसरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के आईपी एड्रेस के जरिए इसे जोड़ा गया है। यहां की टीम बैठकर सीधे स्कूलों की मॉनिटरिंग करेगी। जेडी दिब्यकांत शुक्ल खुद मानिटरिंग करेंगे।

यूपी बोर्ड की तर्ज पर होगी मॉनिटरिंग

दरअसल, यूपी बोर्ड के सचिव रहते दिब्यकांत शुक्ल ने यही व्यवस्था बोर्ड के एग्जाम में किया था। सभी सेंटरों पर सीसीटीवी के जरिए एग्जाम की मॉनिटरिंग की गई। इसका कंट्रोल रूम यूपी बोर्ड मुख्यालय बनाया गया था। यहां एक मजबूत टीम लगातार एग्जाम रूम व स्ट्रांग रूम की निगरानी कर रही थी। यह प्रयोग सफल भी रहा और नकलविहीन परीक्षा कराने में यूपी बोर्ड के तत्कालीन सचिव को सफलता भी मिली। अब वही प्रयोग क्लॉस रूम के लिए भी किया जा रहा है। इसके लिए जेडी की ओर से चारों जनपदों के क्प्टै को निर्देशित किया गया है। कहा गया है कि इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पहले चरण में यह प्रयोग राजकीय विद्यालयों में शुरू होगा और फिर अन्य स्कूलों में भी इसी तरह से मॉनिटरिंग की जाएगी। उद्घाटन अवसर पर आरएन विश्वकर्मा, डीआईओएस पीएन सिंह, प्रभाकर त्रिपाठी समेत अन्य मौजूद रहे।

क्रिमिनल केस में जरूरी नहीं कि पासपोर्ट जब्त हो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा– किसी ऐसे व्यक्ति का पासपोर्ट जब्त करना अनिवार्य नहीं है, जिसके खिलाफ आपराधिक मामला लंबित है। कोर्ट ने कहा– पासपोर्ट अधिनियम के तहत विधानमंडल ने जानबूझकर हो सकता है शब्द का इस्तेमाल किया है। इसका अर्थ है कि कुछ परिस्थितियों में पासपोर्ट अधिकारी कारण दर्ज करके पासपोर्ट जब्त कर सकता है। लेकिन, यह जरूरी नहीं है कि हर मामले में पासपोर्ट अधिकारी को पासपोर्ट जब्त ही करना है। कोर्ट ने याची का पासपोर्ट जब्त करने के आदेश को रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने मोहम्मद उमर की याचिका पर दिया।

सऊदी अरब में नौकरी, बीवी ने दर्ज कराया केस

याची सऊदी अरब में नौकरी कर रहा था। उसकी बीबी फातिमा जहरा ने उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न आरोपों में महिला थाना, अम्बेडकर नगर में मुकदमा दर्ज करा दिया। क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने लंबित आपराधिक मामले के आधार पर पासपोर्ट जब्त करने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। दलील दी कि यदि पासपोर्ट धारक के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही लंबित है तो पासपोर्ट अधिकारी पासपोर्ट जब्त कर सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पासपोर्ट अधिकारी को प्रत्येक मामले में पासपोर्ट जब्त करना आवश्यक है। याची के पासपोर्ट को जब्त करना अनुचित है, जिसे कानून की नजर में बरकरार नहीं रखा जा सकता है। कोर्ट ने कहा– याची के खिलाफ वैवाहिक कलह से संबंधित एक आपराधिक मामला लंबित है। इस मामले की कार्यवाही पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। पक्षों के बीच सुलह की कार्यवाही प्रक्रिया में है। कोर्ट ने कहा कि पासपोर्ट को जब्त करने का निर्णय लेते समय तथ्यों पर विचार नहीं किया गया। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए 30 मई 2023 के पासपोर्ट जब्त करने के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही छह सप्ताह की अवधि के भीतर एक नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया।

एसपी–डीएम और कमिश्नर की कार्यप्रणाली से हाईकोर्ट नाराज

कहा–गैंग चार्ट की मंजूरी देने में विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे, सरकार ट्रेनिंग दे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगचार्ट की स्वीकृति देते समय पूर्व में टाइप शुदा संतुष्टि पर साइन करने, गैंग चार्ट पर डेट न लिखने और थ्त दर्ज करते समय संगत प्रावध ानों का उल्लेख न करने पर पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट या पुलिस आयुक्त की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा है– ये अधिकारी अपने गैंग चार्ट की स्वीकृति देते समय अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा सन्नी मिश्रा, हासिम और राजीव कुमार उर्फ रज्जू के मामले में दिए गए आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। लिहाजा, सरकार गैंगस्टर अधिनियम के तहत सक्षम प्राधि ाकारियों को प्रशिक्षण या क्रैश कोर्स के लिए भेजे, ताकि वे गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) नियम– 2021 के साथ–साथ कोर्ट की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार गैंग चार्ट तैयार करना सीख सकें। कोर्ट ने प्रमुख सचिव, गृह सचिव को जरूरी कदम उठाने के भी निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति अरूण कुमार सिंह देशवाल की खंड पीठ ने महोबा के अब्दुल लतीफ, इटावा के हेतराम मित्तल और तस्लीम, बिजनौर के रितिक, मैनपुरी के अनूप उर्फ अनुज की ओर से दाखिल 5 अलग–अलग आपराधि ाक याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है।

अपनी संतुष्टि को स्पष्ट रूप से दर्ज करना चाहिए

कोर्ट ने कहा– गैंग चार्ट को देखने से प्रतीत होता है कि जिला मजिस्ट्रेट ने इसे स्वीकृत करते समय अपने साइन के नीचे कोई डेट नहीं लिखी। इसलिए उनकी संयुक्त बैठक के बारे में संदेह पैदा होता है। जबकि नियम के मुताबिक संयुक्त बैठक कर गैंग चार्ट की स्वीकृति देते समय पूर्व में टाइप संतुष्टि की बजाए अपनी संतुष्टि को स्पष्ट रूप से दर्ज करना चाहिए था।

कोर्ट ने कहा–सन्नी मिश्रा उर्फ संजयन कुमार मिश्रा बनाम स्टेट ऑफ यूपी व अन्य के मामले में कोर्ट ने कहा था कि संयुक्त बैठक के संबंध में सामग्री कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की जानी चाहिए। हालांकि, वर्तमान मामले में कोर्ट के समक्ष केवल पुलिस अधीक्षक और जिला मजिस्ट्रेट के साइन किए हुए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। जिसे गैंग चार्ट को अनुमोदित करने के बाद भी तैयार किया जा सकता था।

प्रमुख सचिव (गृह), उत्तर प्रदेश सरकार को दिए निर्देश

ऐसी परिस्थिति में यह कोर्ट प्रमुख सचिव (गृह), उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ को निर्देश देता है कि वह सभी एसपी, एसएसपी, पुलिस आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों को उचित निर्देश जारी

करें कि गैंगस्टर नियम– 2021 के नियम 5 (3) (ए) के अनुसार आयोजित संयुक्त बैठकों के प्रस्तावों को रिकॉर्ड करने के लिए एक रजिस्टर बनाया जाए।

यह भी निर्देश दिया जाता है कि सभी एसपी, एसएसपी, पुलिस आयुक्त और जिला मजिस्ट्रेट और नोडल अधिकारी गैंग चार्ट पर हस्ताक्षर करते समय अपने हस्ताक्षर के नीचे तारीख का उल्लेख करेंगे।

कोर्ट ने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार अनुपालन को उसके आदेश के अनुपालन का निर्देश भी दिया है। मामले में याचियों ने कहा था कि एसपी और डीएम की ओर से गैंग चार्ट की स्वीकृति देते समय अपने विवेक का इस्तेमाल न करते हुए नियमों को दरकिनार कर दिया गया है।

याचियों ने इस स्वीकृति को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती दी थी। कोर्ट ने सभी पांचों याचिकाओं के मुद्दों में एकरूपता पाई और एक साथ सुनवाई करते हुए सभी पांचों याचियों के घखिलाफ गैंगस्टर में दर्ज प्राथमिकियों को रद्द कर दिया। हालांकि, अघधिकारियों को यह छूट दी है कि वह नियमों के तहत याचियों के घखिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने 7 बिन्दुओं के अनुपालन का दिया सुझाव

कोर्ट ने कहा– कई पुलिस अधिकारीधजिला मजिस्ट्रेट अभी भी इस न्यायालय के विभिन्न निर्णयों के जारी दिशा–निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। जबकि उन्हें राज्य सरकार के 21 जनवरी 2024 के परिपत्र की विधिवत जानकारी दी गई थी। यह तथ्य इन अधिकारियों की ओर से घोर लापरवाही को दर्शाता है। इसलिए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), उत्तर प्रदेश को इस मामले को देखना चाहिए और उचित कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें प्रघशिघक्षित किया जाए, जिससे कि गैंगस्टरों के गैंगस्टर अधिनियम के चंगुल से बच पाना मुघश्किल हो सके और छोटे तथा एक या दो मामलों में शामिल का बचाव हो सके। कोर्ट ने सुझाव दिया है कि यह प्रघशिक्षण लखनऊ जेटीआरआई में भी चरणबद्ध तरीके से दिया जा सकता है। कोर्ट ने अपने आदेश में कुल 7 बिंदुओं को भी रेखांकित किया है।

गैंग चार्ट को अनुमोदित करते समय सक्षम प्राधिकारियों को नियम 16 घ्के अनुसार स्पष्ट शब्दों में लिखकर अपनी संतुष्टि दर्ज करनी चाहिए न कि केवल मुद्रितध्पूर्व–टाइप की गई संतुष्टि पर हस्ताक्षर करके।

सक्षम प्राधिकारियों की संतुष्टि में यह दर्शानी चाहिए कि उन्होंने न केवल गैंग चार्ट पर बल्कि गैंग चार्ट के साथ संलग्न दस्तावेजोंध्प्रपत्रों पर भी अपना दिमाग लगाया है।

आरोप पत्र दाखिल करने की तारीख का उल्लेख गैंग चार्ट के कॉलम– 6 में किया जाना चाहिए, सिवाय नियम 22 (2) के तहत मामलों को छोड़कर, जहां जांच के दौरान गैंगस्टर अधि ानियम लगाया जा सकता है।

गैंग चार्ट को मंजूरी देने से पहले जिला मजिस्ट्रेट को नियम– 2021 के नियम 5(3)(ए) के अनुसार जिला पुलिस प्रमुख के साथ एक संयुक्त बैठक में गैंगस्टर्स एक्ट लागू करने के लिए उचित चर्चा करनी चाहिए और बैठक के कार्यवृत्तध्संकल्पों को उस उद्देश्य के लिए बनाए गए रजिस्टर में दर्ज करना चाहिए। यदि आवश्यक हो तो उस रजिस्टर को न्यायालय को उसके अवलोकन के लिए उपलब्ध ा कराया जाना चाहिए।

अपनी संतुष्टि पर हस्ताक्षर करते समय सक्षम प्राधिकारी (जिला पुलिस प्रमुख, जिला मजिस्ट्रेट और नोडल अधिकारी) को अपने हस्ताक्षर के ठीक नीचे तारीख का उल्लेख करना चाहिए। गैंग चार्ट को मंजूरी देते समय जिला मजिस्ट्रेटध्पुलिस आयुक्त को यह भी सत्यापित करना चाहिए कि क्या नोडल अधिकारी और जिला पुलिस प्रमुख ने नियम– 2021 के साथ–साथ उच्च न्यायालय द्वारा कई निर्णयों में जारी निर्देशों के अनुसरण में राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार अपनी संतुष्टि ठीक से दर्ज की है। गैंगस्टर अधिनियम लागू करने से पहले, सक्षम अधिकारियों को यह संतुष्टि भी दर्ज करनी चाहिए कि आधार मामलेध्मामलों का अपराध ऐसे व्यक्ति द्वारा किया गया है जो गैंगस्टर अधिनियम की धारा 2(सी) के अनुसार "गैंगस्टर" की परिभाषा के अंतर्गत आता है और ऐसी संतुष्टि के लिए सामग्री होनी चाहिए। नियम– 2021 के नियम 5(3)(ए) के अनुसार आयोजित संयुक्त बैठक के मिनटों में इस संतुष्टि का उल्लेख किया जाना चाहिए।"

गीता बैंक के जरिए बांट रहे गीता का ज्ञान

प्रयागराज। प्रयागराज में सनातन एकता मिशन ज्यादा से ज्यादा लोगों तक श्रीमद्भगवदगीता का संदेश पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। गीता बैंक के जरिए एक लाख लोगों के बीच गीता वितरण का लक्ष्य रखा गया है। मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अशोक कुमार पाठक के नेतृत्व में गीता के प्रति लोगों को जोड़ने शुरूआत की गई है। मिशन की ओर से सरकार से मांग की जा रही है कि देश भर के स्कूलों में व कॉलेजों में गीता को भी अन्य विषयों की तरह सिलेबस में अनिवार्य किया जाए। इससे बच्चे शुरू से ही गीता की महत्ता को समझ सकें और उसे समझकर अपने जीवन में उसे उतार सकें।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी। जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	संचालन का दिन	अंतिम यात्रा की तिथि	तिथि तक विस्तारित
09493	अहमदाबाद ज. - पटना ज.	रविवार	28.07.2024	25.08.2024
09494	पटना ज. - अहमदाबाद ज.	मंगलवार	30.07.2024	27.08.2024
09321	डॉ. अम्बेडकर नगर - श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा	सोमवार बुधवार शनिवार	31.07.2024	30.11.2024
09322	श्री माता वैष्णों देवी कटड़ा- डॉ. अम्बेडकर नगर	मंगलवार गुरुवार रविवार	01.08.2024	01.12.2024

नोट : ट्रेन समय-सारणी सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

1324/24 (C)

संक्षिप्त

विवाहितों, महिला कारोबारियों को 'इंट्रा–डे' सौदों में कम नुकसान: सेबी अध्ययन

नयी दिल्ली । शेयर बाजार में दैनिक आधार पर शेयर की खरीद–बिक्री (इंट्रा–डे) करने वाले शादी–शुदा कारोबारी अविवाहित कारोबारियों की तुलना में कहीं बेहतर नतीजे हासिल करने में सफल रहे हैं। बाजार नियामक सेबी ने 'इंट्रा–डे' कारोबारियों के बीच कराए गए एक अध्ययन में यह पाया है। इसके अलावा 'इंट्रा–डे' कारोबार के मामले में महिलाएं, पुरुष कारोबारियों के मुकाबले अधिक मुनाफा कमाने में सफल रहती हैं। यह दिलचस्प विश्लेषण इक्विटी नकदी खंड में 'इंट्रा–डे' कारोबार को लेकर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एक अध्ययन में सामने आया है। एक कारोबारी सत्र में ही किसी शेयर की खरीद और बिक्री दोनों गतिविधियों का संचालन 'इंट्रा–डे' कारोबार कहा जाता है। इस अध्ययन के मुताबिक, विवाहित और एकल कारोबारियों के अलावा पुरुष और महिला कारोबारियों के बीच सौदा संबंधी व्यवहार और परिणामों के बीच बहुत अंतर है। सेबी ने पाया है कि इक्विटी नकदी खंड में 'इंट्रा–डे' कारोबार करने वाले विवाहित लोग कई प्रमुख क्षेत्रों में अविवाहितों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वित्त वर्ष 2018–19, 2021–22 और 2022–23 के दौरान अविवाहित कारोबारियों के मुकाबले विवाहित कारोबारियों ने 'इंट्रा–डे' सौदों में कम नुकसान उठाया। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 75 प्रतिशत अविवाहित कारोबारी घाटे में रहे जबकि घाटे में रहने वाले विवाहित कारोबारियों की संख्या 67 प्रतिशत थी। इसके अतिरिक्त, विवाहित कारोबारियों ने कहीं अधिक संख्या में सौदे भी किए। सेबी के अध्ययन का एक महत्वपूर्ण पहलू पुरुष और महिला कारोबारियों का तुलनात्मक विश्लेषण है। इन सभी वर्षों में लगातार लाभ कमाने वालों के बीच महिला कारोबारियों का पुरुष कारोबारियों की तुलना में अधिक अनुपात था। अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, तीनों वर्षों में महिला कारोबारियों के समूह में लाभ कमाने वालों का अनुपात पुरुष कारोबारियों के समूह की तुलना में अधिक था। वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान एक करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक 'इंट्रा–डे' कारोबार वाले पुरुष कारोबारियों को औसतन 38,570 रुपये का घाटा हुआ जबकि इस दौरान महिला कारोबारियों को औसतन 22,153 रुपये का घाटा हुआ। हालांकि 'इंट्रा–डे' सौदे करने वाले कारोबारियों के बीच महिलाओं का अनुपात वित्त वर्ष 2018–19 के 20 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2022–23 में 16 प्रतिशत रह गया। सेबी ने अपने अध्ययन में यह पाया है कि कारोबारियों का आयु समूह जितना कम होगा, उनमें नुकसान उठाने वालों का अनुपात उतना ही अधिक होगा। वहीं अधिक आयु समूह वाले कारोबारियों में नुकसान उठाने वालों का अनुपात कम था। इस अध्ययन ने यह भी पता चला है कि वित्त वर्ष 2022–23 में इक्विटी नकदी खंड में 10 में से सात 'इंट्रा–डे' कारोबारियों को घाटा हुआ था।

आरबीआई ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई प्रारूप जारी किया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शहरी सहकारी बैंकों के लिए त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) प्रारूप जारी किया। इस पहल का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि उचित समय पर उपयुक्त हस्तक्षेप किया जा सके। प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए पीसीए प्रारूप के प्रावधान एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगे। पीसीए प्रारूप जारी करने का मतलब है कि संबंधित वित्तीय इकाइयों

पर आरबीआई उचित समय पर हस्तक्षेप कर सके। इस प्रारूप का मकसद है कि शहरी सहकारी बैंक समय पर सुधारात्मक कदम उठाएं और उन्हें लागू करें ताकि उनकी वित्तीय सेहत बहाल हो सके। रिजर्व बैंक ने कमजोर शहरी सहकारी बैंकों और वित्तीय दबाव से गुजर रहे यूसीबी में जरूरी सुधारों के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप उपकरण के तौर पर पर्यवेक्षी कार्रवाई ढांचा (एसएएफ) जारी किया था। एसएएफ को आखिरी बार जनवरी 2020 में संशोधित किया गया था। आरबीआई ने एक बयान में कहा, यह पीसीए प्रारूप अब शहरी सहकारी बैंकों के लिए एसएएफ की जगह लेगा। संशोधित ढांचा किसी मामले में जोखिमों के आकलन के आधार पर उस इकाई के लिए विशिष्ट पर्यवेक्षी कार्य योजनाएं तय करने के लिए लचीलापन लाना चाहता है। आरबीआई ने कहा, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए लागू समान ढांचे के साथ पीसीए ढांचे को सुसंगत बनाया गया है। इसमें आनुपातिक महत्व के अंतर्निहित सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए जरूरी संशोधन किए गए हैं। रिजर्व बैंक के मुताबिक, पीसीए ढांचा काफी हद तक सिद्धांत–आधारित है, जिसमें एसएएफ की तुलना में कम मानदंड होने के बावजूद पर्यवेक्षी कठोरता में कोई कमी नहीं है। संशोधित पीसीए ढांचे में पूंजी, परिसंपत्ति गुणवत्ता और लाभप्रदता के बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। यह ढांचा छोटे यूसीबी (टियर 1 यूसीबी) को छोड़कर सभी शहरी सहकारी बैंकों पर लागू होगा। रिजर्व बैंक ने विनियामक उद्देश्यों के लिए शहरी सहकारी बैंकों को चार स्तरों में वर्गीकृत किया हुआ है।

आठवां खिताब जीतने उतरेगा भारत

श्रीलंका से मिलेगी कड़ी चुनौती

मौजूदा चौंपियन भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखकर श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले फाइनल में जीत दर्ज करके रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतने की कोशिश करेगी। भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने लीग चरण में पाकिस्तान को सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से हराया था। सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश को 10 विकेट से पराजित किया था। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को कोई मौका नहीं दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन टीम प्रबंधन गेंदबाजों विशेषकर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह के प्रदर्शन से काफी खुश होगा। दीप्ति ने टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक 9 विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सात विकेट लेकर तालिका में तीसरे नंबर पर है। इन दोनों का इकोनॉमी रेट भी शानदार है जिसका मतलब है कि उन्होंने विरोधी टीम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया है। इन दोनों की कसी गेंदबाजी का फायदा भारत के अन्य गेंदबाजों को भी मिला है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव इसका उदाहरण है जिन्होंने अभी तक 5.5 के इकोनॉमी रेट से 6 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम के लिए कोई विभाग चिंता का विषय नहीं है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी के कम मौके मिलने से वह थोड़ा चिंतित हो सकता है। दूसरी तरफ श्रीलंका भी अभी तक अजेय रहा है। उसने टूर्नामेंट में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी हासिल की है। श्रीलंका ने ग्रुप चरण में मलेशिया को 144 रन से हराया था। श्रीलंका की तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक 243 रन बनाए हैं लेकिन उनके अलावा श्रीलंका की कोई भी अन्य बल्लेबाज 100 रन तक नहीं पहुंची है। भारत को अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे श्रीलंकाई कप्तान पर अंकुश लगाना होगा। भारत के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने श्रीलंका के गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा होगी। ऑफ स्पिनर कविशा दिलहारी (सात विकेट) को छोड़कर अन्य श्रीलंकाई गेंदबाज अभी तक प्रभाव छोड़ने में विफल रही हैं।

टीम इस प्रकार है

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेट कीपर), उमा छेत्री (विकेट कीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजाना सजीवन।

श्रीलंकाः चमारी अटापट्टू (कप्तान), अनुष्का संजीवनी, हर्षिता समरविक्रमा, हासिनी परेरा, अमा कंचना, उदेशिका प्रबोदानी, विशमी गुणरत्ने, काव्या कविंदी, इनोशी प्रियदर्शनी, सुगंधिका कुमारी, अचिनी कुलसूर्या, कवीशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, सचिनी निसानसाला, शशिनी गिम्हानी।

विस्तारा एयरलाइन्स अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देगी खास सुविधा, अब यात्रियों को फ्री में मिलेगा वाईफाई

यह सेवा उसके बोइंग 787–9 ड्रीमलाइनर और एयरबस ।321दमव विमानों द्वारा संचालित उड़ानों में सभी केबिन वर्गों में उपलब्ध है। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम विस्तारा यह सुविधा प्रदान करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन है। निःशुल्क वाई–फाई एक्सेस ग्राहकों को कनेक्टेड रहने में सक्षम बनाता है। विस्तारा एयरलाइन्स ने अपने यात्रियों को शानदार सुविधा देने के उद्देश्य से खास पेशकश की है। विस्तारा एयरलाइंस में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब प्लेन में वाईफाई की सुविधा मिलेगी। ये सुविधा यात्रियों को फ्री में दी जाएगी। वाईफाई उपयोग करने के लिए यात्रियों को किसी तरह का भुगतान नहीं करना होगा। कंपनी ने कहा कि यह सेवा उसके बोइंग 787–9 ड्रीमलाइनर और एयरबस ।321दमव विमानों द्वारा संचालित उड़ानों में सभी केबिन वर्गों में उपलब्ध है। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम विस्तारा यह सुविधा प्रदान करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन है। निःशुल्क वाई–फाई एक्सेस ग्राहकों को कनेक्टेड रहने में सक्षम बनाता है और यह उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय क्रेडिट या डेबिट कार्ड का उपयोग करके विस्तारित वाई–फाई प्लान खरीदना चाहते हैं। यह सेवा ग्राहकों को ईमेल के माध्यम से वन–टाइम पासवर्ड प्राप्त करने की अनुमति देती है, जिससे सक्रिय सत्र के दौरान विस्तारित इन–फ़्लाइट वाई–फाई सेवाओं की खरीद की सुविधा मिलती है। विस्तारा के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी दीपक राजावत ने कहा, ष्विस्तारा में हम अपने ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम एक बार फिर इस दिशा में आगे बढ़कर और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सभी केबिनों में निःशुल्क वाई–फाई की सुविधा देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनकर प्रसन्न हैं। हमें विश्वास है कि ग्राहक इस मूल्य संवर्धन की सराहना करेंगे, जिसका उद्देश्य उनकी विस्तारा यात्रा को अधिक सुविधाजनक, उत्पादक और निर्बाध बनाना है। कंपनी के अनुसार, विस्तारा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इंटरनेट कनेक्टिविटी योजना में उड़ान के दौरान किसी भी स्तर और किसी भी केबिन के सभी क्लब विस्तारा सदस्यों के लिए मुफ्त चौट सुविधा शामिल है। अन्य यात्रियों के लिए, व्हाट्सएप और फेसबुक मैसेंजर जैसे ऐप पर अनलिमिटेड मैसेजिंग के लिए 372.74 रुपये प्लस जीएसटी लिया जाएगा। विमान में इंटरनेट सर्फ करने के लिए, एयरलाइन ने 1577.54 रुपये प्लस जीएसटी निर्धारित किया है, जिसमें सोशल मीडिया और वेब कंटेंट के लिए एम्बेडेड ऑडियो और वीडियो स्ट्रीमिंग शामिल है।

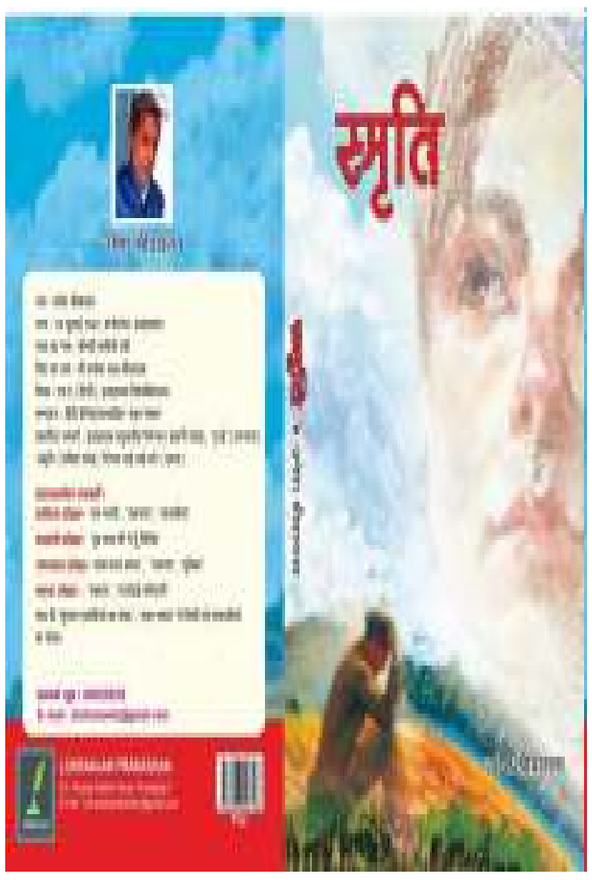

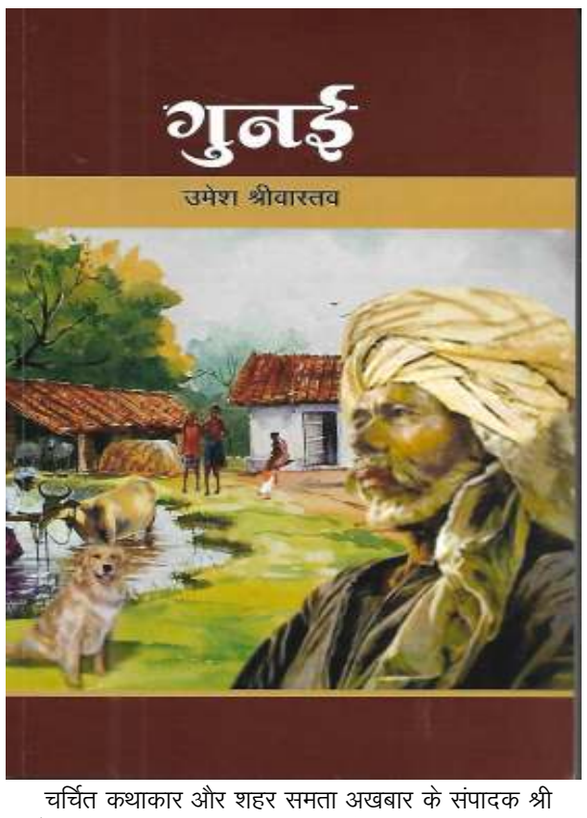

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

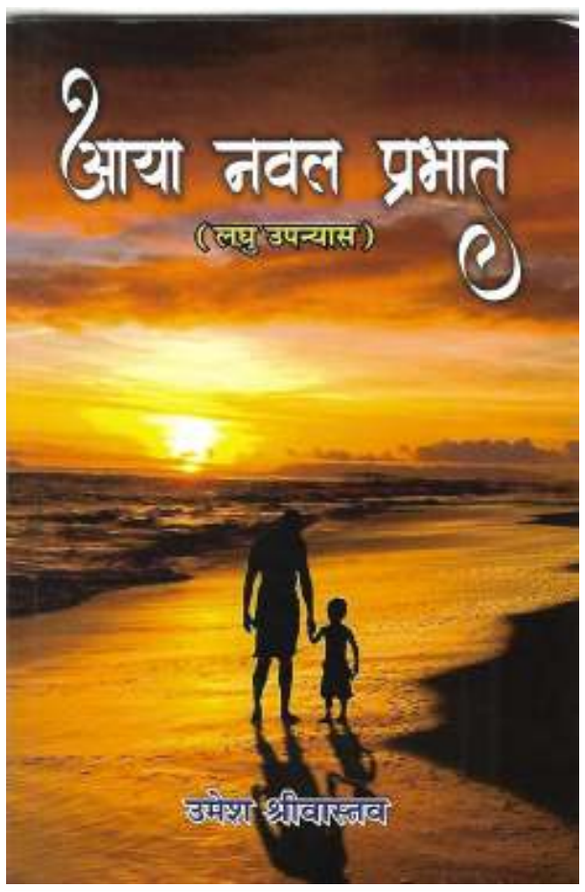

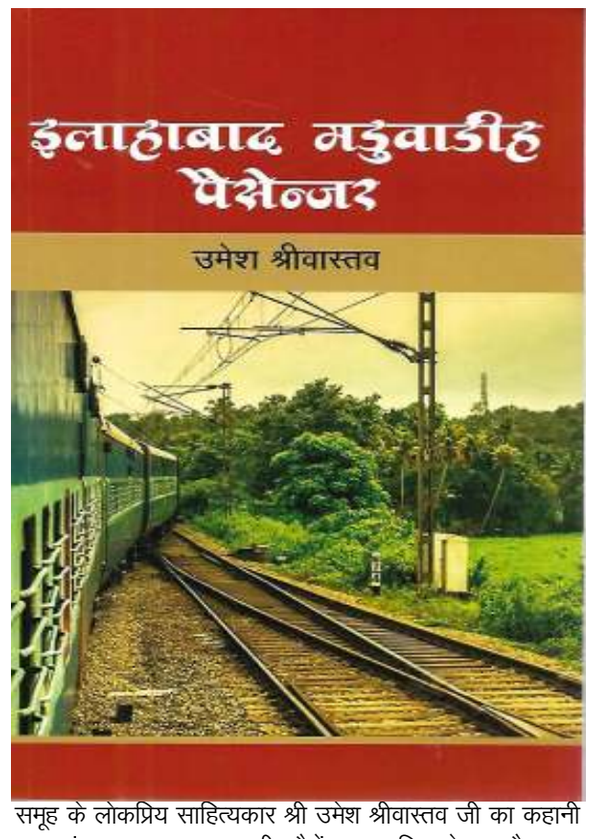

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

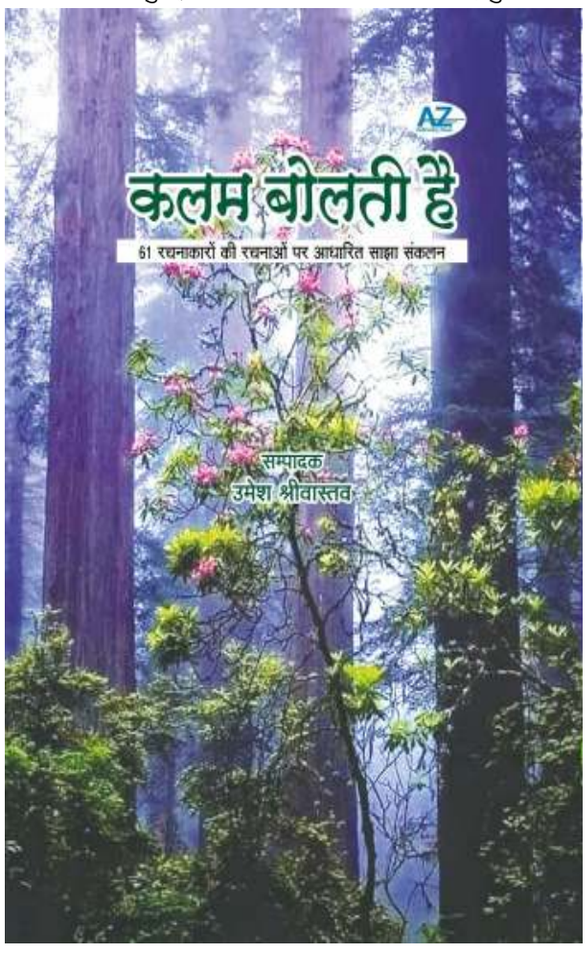

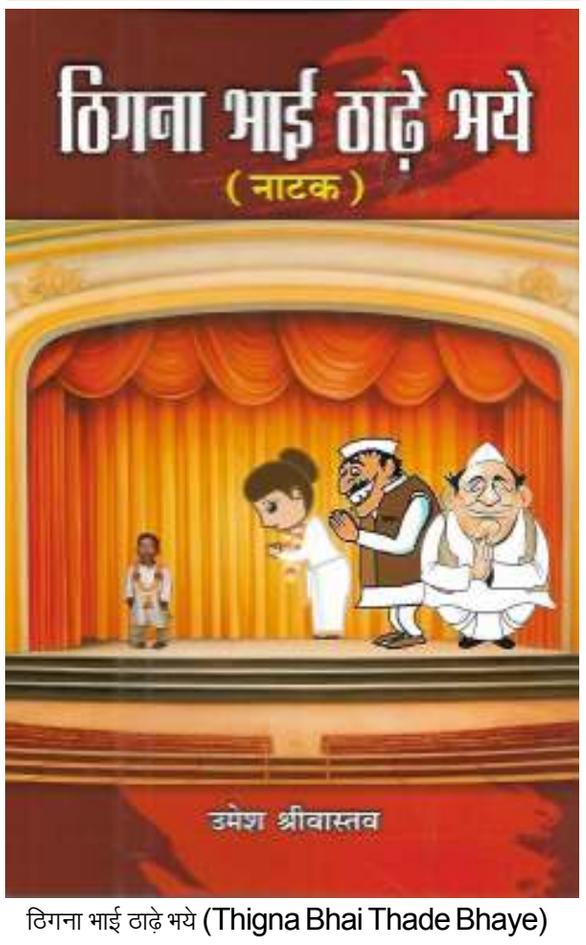

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

सम्पादकीय.....

केंद्र को झटका

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज–युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है। इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततरू देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है। निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है। दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र–राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024–25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है। जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है। यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ–राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था। वहीं दूसरी ओर सरकारिया आयोग ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया था कि देश में शक्तियों के अधिक केंद्रीयकरण ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उसमें और वृद्धि कर दी है। केंद्र सरकार के लिये बेहतर होगा कि आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को साफ करके उसका बेहद बारीक व संवेदनशील ढंग से अध्ययन करे। इस तरह के आक्षेपों के बीच एक बात तो साफ है कि एक शक्तिशाली केंद्र भारत जैसे विकासशील देश को विकसित भारत में कदापि नहीं बदल सकता है। वहीं केंद्र व राज्यों में सामंजस्य व सहयोग के रिश्ते भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश को निश्चित तौर पर मजबूती ही देंगे। कोर्ट के हालिया फैसले को केंद्र को एक सबक के रूप लेना चाहिए। अन्यथा केंद्र व राज्यों में टकराव का यह अंतहीन सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा।

लोकप्रिय हो रहा है पेड़ जियाओं अभियान

ई. हेमंत कुमार

वह सिंचाई के अभाव में मर जाए या अन्य कारणों से नष्ट हो जाये । इन समस्याओं पर विचार कर जनपद बिजनौर के ग्राम फीना निवासी इंजीनियर हेमन्त कुमार ने हरियाली विस्तार के लिए एक नए प्रकार के अभियान की शुरुआत की जिसका नाम इन्होंने पेड़ जियाओ अभियान रखा ।

पौधे लगाना आसान है पर इनको विकसित करना बहुत पेचीदगी भरा । एक दिन में लाखों पौधे रोपित करने का लक्ष्य भी पूरा होते हुए देखा गया है परंतु लगे हुए पौधों को लगातार जीवित रखना अत्यंत कठिन होता है । पौधरोपण करते हुए फोटो खिंचाना आज एक फैशन बन गया है । अपवाद को छोड़कर व्यक्ति दोबारा अपने रोपित पौधे की तरफ जाकर नहीं देखता भले ही वह सिंचाई के अभाव में मर जाए या अन्य कारणों से नष्ट हो जाये । इन समस्याओं पर विचार कर जनपद बिजनौर के ग्राम फीना निवासी इंजीनियर हेमन्त कुमार ने हरियाली विस्तार के लिए एक नए प्रकार के अभियान की शुरुआत की जिसका नाम इन्होंने पेड़ जियाओ अभियान रखा । हेमंत कुमार ने इसके नाम में जियाओ शब्द विशेष रूप से चुना ताकि इसका मुख्य उदेश्य पेड़ों को स्वावलंबी बनने तक निरंतर देखभाल करना है यह स्पष्ट होता रहे । पेड़ जियाओ अभियान में पौधा आठ फीट ऊँचा होने के बाद ही सूचीबद्ध किया जाता है । हालांकि पौधारोपण का भी विवरण रखा जाता है। पेड़ लगाओ या पेड़ बचाओ जैसे स्लोगन की तुलना में पेड़ जियाओ नाम अधिक सार्थक है । इसीलिए इसका नाम

अब चर्चा में आ गया है और विभिन्न स्थानों पर प्रयोग होने लगा है। अलीगढ़ नगर निगम ने 5 जून 2024 को अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि पेड़ लगाओ नहीं पेड़ जियाओ । पौधे सिर्फ लगाने से नहीं देखभाल से बढ़ते हैं । लखनऊ में दिनांक 13 मार्च 2024 को जलवायु परिवर्तन पर एक उच्च स्तर का तीन दिवसीय सम्मलेन हुआ । समाचार पत्र हिंदुस्तान लखनऊ के अनुसार इसमें उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव डॉ० हीरालाल ने भी पेड़ जियाओ शब्दों का प्रयोग किया । उन्होंने कहा पेड़ जियाओ पानी बचाओ प्लास्टिक भगाओ । सम्मेलन में पर्यावरण विशेषज्ञ शिक्षाविद विश्वविद्यालय के शोध छात्र तथा तीन राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हुए । हेमंत कुमार के आविष्कृत शब्दों और इनके द्वारा शुरू किये गए पेड़ जियाओ अभियान की संकल्पना का प्रयोग विभिन्न बड़े स्तरों पर हो रहा है इस पर इन्होंने हर्ष जताया । जब हेमन्त कुमार से पूछा गया कि आपके द्वारा आविष्कृत शब्दों पेड़ जियाओं का प्रयोग जब दूसरे लोग भी कर रहे हैं तो कैसा लगता है तो इन्होंने कहा कि यह गर्व और खुशी की बात है । औपचारिक रूप से इस अभियान के अंतर्गत पहला पौधा कर्वी जनपद चित्रकूट में 14 अप्रैल 2017 को कुछ बच्चों द्वारा लगाया गया था। पेड़ जियाओ अभियान के प्रमुख सिद्धांत और शिक्षाएँ इस प्रकार हैं दृ 1. मकान में फर्नीचर दरवाजे खिड़की पढ़ने के लिए कापी किताब अखबार और अंतिम संस्कार के लिए सूखी लकड़ी जैसी जरूरते हर व्यक्ति की होती हैं और इन्हें पूरा करने के लिए हर व्यक्ति के कारण कुछ पेड़ कट जाते हैं इसलिए अपने जीवन काल में अपने हिस्से के पेड़ विकसित करना हर व्यक्ति का कर्तव्य और दायित्व है। 2. भले ही पौधे कम लगें पर जितने लगें सब विकसित किये जाने चाहिए । 3. किसी अज्ञात या दूसरे व्यक्ति द्वारा रोपित पौधा देखभाल या सिंचाई के अभाव में मरता या नष्ट होता दिखाई दे तो उसका भी संरक्षण करना चाहिए। 4. रोपण के लिए पौधे का चयन स्थानीय जलवायु तथा परिस्थिति के अनुकूल करना चाहिए। 5. विद्युत लाइन के नीचे बाउन्डरी या भवन या गेट के पास ऐसे पौधे नहीं लगाने चाहिए जो दस फीट से अधिक ऊँचे हो जाते हैं । सड़क के एकदम किनारे और दरवाजों के निकट भी अधिक ऊँचे हो जाने वाले पौधे नहीं लगाने चाहिए। हेमंत कुमार उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा पुरस्कृत साहित्यकार हैं इन्होंने बहुत सोच समझ कर अपने अभियान का नाम पेड़ जियाओ रखा । इनके इस अभियान में रोपित लगभग तीन सैकड़ा पौधे विकसित होकर स्वावलंबी बन चुके हैं। इस अभियान के आरंभिक प्रतिभागी रहे चित्रकूट से प्रदीप श्रीवास्तव कुलदीप श्रीवास्तव कौशलेश सिंह छतरपुर से नेम्फ गार्डन आगरा से डॉ० परवेन्द्र कुमार सिंह मिर्जापुर से गुरुप्रसाद पुखरायां कानपुर से बृजेंद्र संखवार आदि ने पेड़ जियाओं अभियान की सफलता और बढ़ते कदम पर हर्ष जताया।

कजरी गीतों में मिलती है माटी की महक और देशज भाषा का लोक लालित्य: अशोक

अशोक सिंह बेशरम
गांव –महेवा।।पूरा कुंजल बैस।।
करछना, प्रयागराज

कवने रंग मुंगवा,कवने रंग मोतिया,कवने रंग ननदी हो,तोरे बिरना.....

पोर –पोर अपनी सोंधी माटी की महक और देशज भाषा का लोकलालित्य सहेजे वर्षा ऋतु के प्रधान गीत कजरी का लोक रंग अब सिमटता जा रहा है।कभी बारिश के दिनों में गांव की चौपाल और खेतों –सिवानों के साथ–साथ बगीचों में झूले के समय गूंजने वाली कजरी अब कम सुनाई पड़ रही हैं। स्त्री विरह के प्रतीक रूप में मौसम की रंगो–रवानी के साथ–साथ अपनी प्रीति–रीति के राग–रंग सहेजने वाली कजरी,आज के फिल्मी और रीमिक्स गीतों के बीच उलझ गई है।

आज की कुछ दशक पहले बारिश होते ही खेतों में धान की रोपाई के समय महिलाओं द्वारा गाई जाने वाली कजरी के लगवाही गीत की गूंज से सिवान गुलजार हो उठता –पुरबू के देसवा से उड़ली बदरिया,बरसइं लागी ना। मोरे पिया के दुवरिया बरसे लगे ना। या फिर सावनी रिमझिम फुहार के बीच बागों में नीम की डाल पर पड़े झूले पर महिलाओं द्वारा झूला गीत सुनकर प्रकृति भी भाव विभोर हो उठती–

झूला झूलि रहे बनवारी,संग में राधा प्यारी ना।

दरअसल कजरी का उद्भव स्थल उत्तर प्रदेश का मिर्जापुर जनपद माना जाता है।जहां कभी वर्षा के मौसम में चौपाल में दंगली कजरी के कई चर्चित आयोजन भी हुआ करते थे। मिर्जापुर कइला गुलजार हो, कचौड़ी गली सून कइल्या बलमू,या फिर हरे रामा ऊंची अटारी पटनारी,चढ़त डर लागे रे हारी.. जैसे कजरी गीत जमाने में बहुप्रचलित रहे। कवने रंग मुंगवा,कवन रंग मोतिया,कवने रंग नानदी रे तोर बिरना जैसी कजरी भी लोक कलाकारों द्वारा खूब चाव से गायी गई तो वहीं पिया मेहंदी लिया द मोतीझील से,जाइके साइकिल से ना,जैसी मिर्जापुरी कजरी भी लोगों के जुबान पर रची बची रही। बनारस की मशहूर चौलर कजरी का अपना अलग ही राग रंग देखा गया– जसुदा कहें नंद से हंसि के,परि के पंइया हे गोसैंया,हरि मोर रेगलें बकंइयां ना।कोस–कोस पर पानी और चार कोस पर बानी के अनुरूप ब्रज,अवधीऔर भोजपुरी परिक्षेत्रों में कजरी गीतों का अलग–अलग रंग देखने सुनने को मिला। पूरे वर्ष में प्रचलित गीतों की श्रृंखला में कजरी की सर्वाधिक प्रजातियां चलन में रहीं। हालांकि वर्षा के मौसम में कजरी के अलावा मल्हार,आल्हा,पूर्वी,मलहिया और छपरहिया जैसे गीतों का भी चलन रहा,जो गांव चौपालों में अब काफी सिमट चुका है।

लगभग 86 प्रकार के विविध रूपों से सृजित कजरी का अपना विस्तृत लोक संसार हमारी सामाजिक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से तार तार जुड़ी है। इसी कजरी में रजऊ करेजऊ,बलमुआ,पिया,सजना,संइंया,

छैला,राजा,रनिया,धनिया,दिलजनिया,योगिनियां, कोठा,अटारी धूंघट,पनघट,पालकी, मेहंदी,महावर,कजरा,गजरा,सेजिया,ननद, भौजाई,ससुर देवर, जैसे देशज शब्दों का गहबर रंग कई संवेदनाओं के साथ अपने भाव के प्रभाव से मन को अनुरंजिता करता है। हमारे सामाजिक संबंधों,लोकाचार,लोक कथानकों से शब्दायित कजरी गीत हमें अपनी परंपरा के से तार तार जोड़ते रहे हैं।

यही गीत हमारे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की कड़ी के एक प्रमुख अंग हैं।यही गीत हमारे पुरखों की विरासत हैं। यही गीत हमारी संस्कृति, संस्कार के प्रतीक और बुजुर्गों की थाती हैं। गीतों की यह परंपरा मात्र मनरंजन से नहीं जुड़ी है बल्कि यह हमारी एक विशिष्ट पहचान है।

अपने कजरी जैसे मौसमी गीतों को सहेजने के लिए जहां एक ओर आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा गवंई लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां पर बल दिया जा रहा है। वहीं दूसरी और सांस्कृतिक चेतना को लेकर कई लोक कलाकार अभी भी अपनी इस विरासत को संभाले हुए हैं।सच तो यही है कि बीते दो–तीन दशकों में हमारी युवा पीढ़ी अपने कजरी जैसे माटी के गीतों को गाने बजाने सीखने,समझने के प्रति उदासीन सी है। भटकाव और आधुनिकता के दौर से जुड़े फिल्मिआने मिजाज से उभरकर अपने मौसमी गीतों को जीवंत रखने के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी चाहिए कि आगे आयें और ऐसे गीतों के लोक कलाकारों द्वारा गांव–गांव मंचीय आयोजन किए जाएं। घर की बुजुर्ग महिलाएं भी बेटियों को अपने कजरी जैसे गीतों की तालीम देकर गीतों की विरासत को सजोएं। अन्यथा बनावटीपन वाले चकाचौंधी दौर में हम अपनी गीतों के असली राग रंग और माटी की महक से दूर होते जाएंगे।

मेष :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्दिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी।

केन्द्रीय बजट 2024–25 में आम आदमी के लिए बहुत कम प्रावधान

नन्तू बनर्जी

प्रायरू व्यय भाग में सात मुख्य पहलू शामिल होते हैं –सरकार की अपनी रखरखाव लागत, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और ऋ ण सेवा। यहां तक कि चीन की केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था में भी।

वार्षिक सरकारी बजट पूरी तरह से व्यय और उसकी दिशा के बारे में है। आम तौर पर कर और गैर–कर राजस्व और व्यय का ध्यान रखने के लिए उधार के माध्यम से आय उत्पन्न होती है। प्रायरू व्यय भाग में सात मुख्य पहलू शामिल होते हैं –सरकार की अपनी रखरखाव लागत, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और ऋ ण सेवा। यहां तक कि चीन की केंद्रीकृत अर्थव्यवस्था में भी, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुजुर्गों की देखभाल को उसके वार्षिक बजट व्यय में विशेष ध्यान दिया जाता है। परन्तु केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मंगलवार को संसद में पेश किये गये 85 मिनट के भाषण में भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के नये बजट में इस बात पर पर्याप्त प्रकाश नहीं डाला गया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार के प्रस्तावित 48.21 लाख करोड़ रुपये के सकल व्यय से आम आदमी को कैसे लाभ होगा। 2014 में जब से एनडीए सरकार सत्ता में आई है, तब से इसका वार्षिक बजट वर्ष के अपने तात्कालिक एजंडे की तुलना में भविष्य के लक्ष्यों पर अधिक केंद्रित रहा है। पिछले 10 वर्षों से,कोविड महामारी वर्ष को छोड़कर, यथोचित अच्छा आर्थिक विस्तार हुआ। परन्तु इसके बावजूद देश की वार्षिक शुद्ध रोजगार वृद्धि दर में लगभग लगातार गिरावट देखी गई। सरकार ने इस पहलू पर बहुत कम ध्यान दिया। यह स्थानीय नौकरियों की कीमत पर वस्तुओं और सेवाओं के आयात को बढ़ाती रही। चालू वर्ष के बजट में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए पांच योजनाओं पर 200,000 करोड़ रुपये खर्च का प्रावधान किया गया है परन्तु एक बार फिर पांच साल की अवधि में इसे उपयोग में लाने

की बात कही गई, वह भी वास्तविक मुद्दे को संबोधित किये बिना जिसमें भारी आयात कटौती और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने की आवश्यकता है। भविष्य के इस बजट मेंआम आदमी, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बेरोजगार युवाओं, अंशकालिक नौकरी करने वालों, मौसमी बेरोजगारों और बुजुर्गों के लिए बहुत कम प्रावधान है। सरकार के बजट–पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश को 2030 तक गैर–कृषि क्षेत्र में औसतन 78.5 लाख नौकरियां प्रति वर्ष पैदा करने की जरूरत है। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और खुदरा उपभोक् ता मूल्य मुद्रास्फीति, जिसे अक्सर कम करके आंका जाता है, देश के गरीब और निम्न मध्यम वर्ग को लगभग पागल कर रही है, जिसमें आबादी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा शामिल है। चालू वर्ष के बजट में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे पिछले 10 वर्षों में लागू नहीं किया जा सकता था। बजट सूखे सपने बेच रहा है। यह इस तथ्य से बेपरवाह है कि रुपये का मूल्य या हमारी मुद्रा की क्रय शक्ति दिन–प्रतिदिन कम होती जा रही है। बजट का मुख्य व्यय फोकस चंद्रबाबू नायडू के आंध्र प्रदेश और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले बिहार को बड़े पैमाने पर आवंटन और रियायतें देकर एनडीए को एक साथ रखना प्रतीत होता है। तेलुगू देशम के नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के सुप्रीमो नीतीश कुमार मिलकर एनडीए पर मजबूत पकड़ रखते हैं। भारत की वार्षिक बजट परंपराएं, जिसमें कर दरों में बदलाव एक प्रमुख आकर्षण है, जारी हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान, यूके और एशियाई पड़ोसी इंडोनेशिया जैसे प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के वार्षिक राष्ट्रीय बजट सार्वजनिक भलाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिकी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में 50. 2खरब डॉलर के बजट व्यय का प्रस्ताव रखा था। उसके बजट व्यय का अधिकांश हिस्सा सामाजिक सुरक्षा पर था। अमेरिकी सरकार का प्राथमिक व्यय स्वास्थ्य सेवा, सेवानिवृत्ति और रक्षा कार्यक्रमों पर है। जर्मनी में, संघीय सरकार की तीन शीर्ष प्राथमिकताएं हैंरू सुरक्षा, सामंजस्य और विकास। 2025 का मसौदा बजट और विकास पहल यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है कि जर्मनी एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत देश होगा। फ्रांस में बेरोजगारी बीमा भुगतान सहित सामाजिक व्यय, जो 2022 में फ्रांसीसी सकल घरेलू उत्पाद का 31प्रतिशत से अधिक था, इसके व्यय बजट का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है।

फ्रांस में आवंटित भत्ते के ढांचे में अन्य व्यय में बुजुर्गों और विकलांगों के लिए सहायता और बच्चों की देखभाल शामिल है। यू.के. में कर प्रणाली, जिसे पारंपरिक रूप से मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों के लिए जाना जाता है, अत्यधिक व्यावहारिक है। यह निष्पक्ष और सरल है, कड़ी मेहनत के लिए पुरस्कार प्रदान करता है। घरेलू विनिर्माण और निर्यात द्वारा समर्थित उपभोग वृद्धि ने साम्यवादी चीन की राष्ट्रीय बजट प्रणाली का एक प्रमुख फोकस प्रदान किया। बजट फोकस चीन के लिए अत्यधिक फायदेमंद रहा है, जिसने इसे पिछले 25 वर्षों की अवधि में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। अब समय आ गया है कि भारत की राष्ट्रीय बजट प्रणाली करों और राजनीति से प्रेरित व्यय के साथ छेड़छाड़ करना बंद करे और आम आदमी के जीवन और जीवन पर सीधा प्रभाव डालने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करे। इसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सामाजिक सुरक्षा, घरेलू विनिर्माण, रोजगार सृजन, मुद्रास्फीति नियंत्रण, रुपये की स्थिरता, अधिशेष व्यापार और एक ऐसा कारोबारी माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मैंने चुपचाप शादी कर ली है, ये अफवाह मुझे चौंका देती है

गीता कपूर

फेमस डांसर और कोरियोग्राफर गीता कपूर लंबे वक्त से रियलिटी शोज को जज कर रही हैं। उन्हें बड़े और छोटे पर्दे पर कई साल बीत चुके हैं और उन्होंने कई सारे शोज के बाद श्मांश की उपाधि भी मिली। गीता कपूर को लेकर कई सारी बातें होती हैं। इन्हीं पर चर्चा करते हुए उन्होंने सारे जवाब दिए हैं। आइए दिखाते हैं।

इंटरव्यूरू मैंने चुपचाप शादी कर ली है, ये अफवाह मुझे चौंका देती है– गीता कपूर

मैं बहुत ओल्ड स्कूल हूं। मैं आज भी लिखने के लिए पेन–कॉपी का ही इस्तेमाल करती हूं– गीता कपूर

मैं सोचती हूं कि ये करोड़ों की गाड़ियां कहां हैं, मैं उन्हें चलाना चाहती हूं, वो करोड़ों के बंगले कहां हैं, मैं वहां रहना चाहती हूं– गीता कपूर

फेमस कोरियोग्राफर गीता कपूर लंबे समय से रियलिटी डांस शोज में नजर आ रही हैं। अब एक बार फिर से वह श्इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4श में जज की भूमिका में हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बात हुए, जिसमें उन्होंने अपनी शादी से लेकर कमाई तक के बारे में खुलकर बात कीरू

जब आपने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब चीजें तकनीकी तौर पर उतना विकसित नहीं थीं। आज डिजिटल दुनिया है, एआई की दुनिया में आज तकनीक का इस्तेमाल कोरियोग्राफी में किस तरह से हो रहा है?

तकनीक का इस्तेमाल आप चीज को अच्छा या और अच्छा दिखाने के लिए करते हैं। डिजिटली आप कैसे चीजों को इनहेंस कर सकते हैं, ये सब तकनीक से किया जा सकता है। लेकिन डांसिंग एक ऐसी चीज है, जिसमें एक गुरु का हाथ होना जरूरी है। उसकी जगह तकनीक से पूरी नहीं हो सकती है। आप तकनीक के जरिए किसी के डांस को देखकर सीख सकते हैं लेकिन जो उसकी डांस टैक्नीक और बारीकियां हैं, उसको तो गुरु ही सिखा सकता है। आप कितनी भी चीजें इजाद कर लें लेकिन आपको कोई ऐसा चाहिए ही होता है जो आपको बता सके कि क्या सही है क्या गलत।

लेकिन निजी जीवन में आप कितना टेक फ्रेंडली हैं?

बिल्कुल भी नहीं। मैं बहुत ओल्ड स्कूल हूं। मैं आज भी लिखने के लिए पेन–कॉपी का ही इस्तेमाल करती हूं। मेरे घर में सारी चीजें हैं। चौट जीपीटी मुझे आज तक समझ नहीं आया, लेकिन मैंने समझने की भी कोशिश की है। मेरा मानना है कि आपके मन की बात कोई और नहीं बोल सकता है, उसे आपको खुद ही बोलना पड़ता है। मुझे लगता है कि मेरी याददाश्त भी कलम और पेन की वजह से है। मुझे आज भी कोई चीज नोट करनी होती है तो मेरे हाथ में कागज और कलम होगा। मैं डायरी लेकर ही चलती हूं। मेरे पास एक फोन होता है लेकिन उसका प्रयोग भी कॉल करना या उठाने तक ही है। या फिर सोशल मीडिया पर कुछ अपलोड करना होता है तो फोन यूज करती हूं। उसके अलावा एआई का भी कोई यूज नहीं है। मैं बहुत एंटीक और ओल्ड स्कूल हूं।

फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े तमाम लोगों के बारे में कई तरह की अफवाहें उड़ती रहती हैं। आपके अब तक के करियर में ऐसी कौन सी अफवाह हैं, जिसने आपको चौंकाया हो?

हम सब जो फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं, उनके असेस्ट्स को लेकर कई अफवाह उड़ती हैं। जैसे मैंने कहीं देखा कि किसी ने लिखा कि मेरे पास इतने करोड़ की गाड़ी है, इतने करोड़ के बंगले हैं। तब मैं सोचती हूं कि कहां है ये सब, मुझे भी तो पता चले। मैं सोचती हूं कि ये करोड़ों की गाड़ियां कहां हैं, मैं उन्हें चलाना चाहती हूं, वो करोड़ों के बंगले कहां हैं, मैं वहां रहना चाहती हूं। इतने करोड़ों रुपये किस बैंक में हैं, वो मैं खर्च करना चाहती हूं। तो ये जो अफवाहें हैं वो मुझे चौंका देती हैं। जो हमारे पास है, उसके बारे में सरकार को पता है और उसका हम टैक्स भी देते हैं। एक और भी अफवाह मेरे बारे में फैलती है कि मैं शादीशुदा हूं। चुपचाप मैंने शादी की है, जो मैंने की नहीं है। अगर मैंने शादी की होती तो मैं बहुत गर्व के साथ ये बात कहती कि हां मैंने शादी की है, मेरे बहुत बच्चे हैं। बस इस अफवाह को रोक देना चाहिए।

इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 में एक बार फिर आप जज की भूमिका में हैं। इस बार को शो को लेकर कैसे उत्साह है?

हर नए शो के लिए उत्साहित तो रहते ही हैं, हमें कुछ नया देखने को मिलेगा।

इस बार शो में तीसरी जज के रूप में करिश्मा कपूर भी होंगे, तो और भी कुछ नया होने वाला है। उनके जजमेंट का तरीका अलग होगा। बच्चे भी अलग तरीके के डांस लेकर आए हैं। जब आप इतना कुछ करते हैं तो आपके अंदर ये जानने के की इच्छा होती है कि क्या इस सीजन को भी उतना प्यार मिलेगा, जितना पिछला सीजन लोगों ने पसंद किया था। तो बिलकुल उत्साह है।

दिल्ली भी आपका आना–जाना रहता है। दिल्ली आपको किस तरह याद रहती है?

कहते हैं दिल्ली दिलवालों की है, ये बात बरकरार रहे। मैं जब भी दिल्ली आई हूं तब मुझे दिलवालों की ही लगी है लेकिन आजकल इसमें थोड़ी कमी आई है। मैं चाहती हूं वो दिल्ली बनी रहे। खान के मामले में भी दिल्ली मेरे लिए सबसे खास रही है। बस अपनी दिल्ली खुशहाल रहे।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने शेयर की नई तस्वीरें

देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें फैंस को उनका बेबी बंप दिख रहा...

मानसून का मजा लेती दिखीं पलक तिवारी, तस्वीरें देख खुश हो जाएगा दिल

पलक तिवारी खुले आसमान के नीचे फोटोशूट करवाती दिखाई दे रहीं हैं, जिनमें वो काफी प्यारी लग...

रेड हॉट लुक में अनन्या पांडे ने बढ़ाई फैंस की हार्ट बीट

अनन्या पांडे रेड कलर की ऑफ शोल्डर मिनी ड्रेस में बेहद स्टाइलिश लग रहीं हैं, जिन्हें देख आप भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक...

श्रद्धा कपूर ने जब से राहुल मोदी के साथ अपने रिलेशनशिप को कन्फर्म किया है, तब उनकी शादी की चर्चा हो रही है। श्रद्धा से अक्सर शादी को लेकर सवाल भी किया जाता है। फिल्म 'स्त्री 2' के ट्रेलर लांच के दौरान जब एक्ट्रेस से शादी से जुड़ा सवाल पूछा गया तो इसका जवाब उन्होंने फिल्मी अंदाज में दिया। फिल्म के ट्रेलर लांच के दौरान श्रद्धा कपूर गोल्डन–रेड साड़ी में ग्लैमरस मेकअप और बंधे बालों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी के बारे में बात की। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि आज आप दुल्हन की तरह सज संवर कर आई हो, रियल लाइफ में कब दुल्हन बनेंगी? श्रद्धा कपूर ने इस सवाल के जवाब मजाकिया अंदाज में दिया। उन्होंने कहा– वह स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी। बता दें कि श्रद्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म श्स्त्री 2श 15 अगस्त को रिलीज होगी। यह फिल्म श्स्त्रीश की सीक्वल है। इस फिल्म को लेकर श्रद्धा कपूर काफी एक्साइटेड है। पिछले कुछ समय से श्रद्धा कपूर स्क्रिप्ट राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। पिछले महीने श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर राहुल मोदी के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर जाहिर किया था। उन्होंने राहुल के साथ एक सेल्फी पोस्ट की और एक मजेदार कैप्शन भी लिखा था। उन्होंने लिखा था– दिल रख ले, नींद तो वापस दे दे यार। श्रद्धा ने इस पोस्ट के साथ बैकग्राउंड में फिल्म श्इश्कश का गाना श्नींद चुराई मेरीश भी इस्तेमाल किया था।

मलाइका ने अपनी बिकनी तस्वीरें साझा कर के पहले ही माहौल गर्म किया हुआ था, जिसे उन्होंने अपनी नयी तस्वीरों से और ज्यादा गर्म कर दिया है। तस्वीरों में, अभिनेत्री ने एक रहस्यमयी शख्स की झलक दिखाई, जिसका चेहरा उन्होंने ब्लर किया हुआ था। अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही उनकी निजी जिंदगी सुर्खियों में आ गयी है।

बॉलीवुड की हॉट दिवा मलाइका अरोड़ा बीते कुछ दिनों से स्पेन में छुट्टियां मना रही हैं। यहाँ से अभिनेत्री ने अपनी छुट्टियों की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर अफवाह का एक नया दौर शुरू कर दिया है। दरअसल, मलाइका द्वारा शेयर की गयी तस्वीरों में लोगों को एक आदमी की भी झलक देखने को मिली, जिसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर अभिनेत्री के नए रिश्ते में होने की अफवाह उड़ने लगी है।

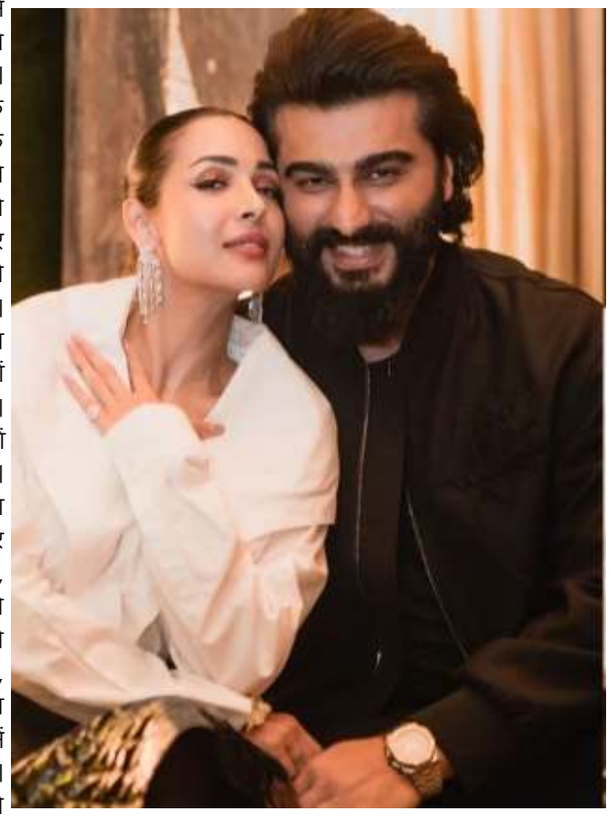

मलाइका ने अपनी बिकनी तस्वीरें साझा कर के पहले ही माहौल गर्म किया हुआ था, जिसे उन्होंने अपनी नयी तस्वीरों से और ज्यादा गर्म कर दिया है। तस्वीरों में, अभिनेत्री ने एक रहस्यमयी शख्स की झलक दिखाई, जिसका चेहरा उन्होंने ब्लर किया हुआ था। अभिनेत्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही उनकी निजी जिंदगी भी सुर्खियों में आ गयी है। मलाइका की तस्वीरों में रहस्यमयी शख्स कौन है, ये बात किसी को नहीं पता है, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स उसकी पहचान जानने के लिए बड़े उत्सुक हैं।

अभिनेत्री की लव लाइफ इसलिए भी सुर्खियों में हैं क्योंकि उनका हाल ही में अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप हुआ है। बॉलीवुड गलियारों में लंबे समय से दोनों के अलग होने की अफवाहें उड़ रही हैं। हालाँकि, दोनों ने अलग होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पिंकविला को एक सूत्र ने बताया, श्मलाइका और अर्जुन का रिश्ता बहुत खास था और दोनों एक–दूसरे के दिलों में खास जगह बनाए रखेंगे। उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में एक सम्मानजनक चुप्पी बनाए रखेंगे। वे किसी को भी अपने रिश्ते को घसीटने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति नहीं देंगे।श

मन की शुद्धि के लिए रोजाना जपें गायत्री मंत्र, ये है जाप का सही समय और तरीका

गायत्री मंत्र हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र मंत्रों में से एक है। इसे महामंत्र भी कहा जाता है और यह वेदों का हिस्सा है। गायत्री मंत्र को पढ़ने और जाप करने के कई आध्यात्मिक और मानसिक लाभ होते हैं। आइए, इसके महत्व, पढ़ने के नियम, लाभ और उचित समय के बारे में विस्तार से जानते हैं।

गायत्री मंत्र का महत्व

यह मंत्र आध्यात्मिक उन्नति के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे पढ़ने से आत्मा की शुद्धि होती है और भगवान के साथ सीधा संबंध स्थापित होता है। गायत्री मंत्र का जाप करने से मानसिक स्पष्टता और बुद्धि में वृद्धि होती है। यह ज्ञान प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। इस मंत्र का नियमित जाप मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में तनाव और चिंता कम होती है। यह मंत्र शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए सहायक होता है।

गायत्री मंत्र का पाठ

ओमः भूर्भुवः स्वः।

तत्सवितुर्वरेण्यं।

भर्गो देवस्य धीमहि।

धियो यो नः प्रचोदयात

गायत्री मंत्र पढ़ने के नियम

1. शुद्धता

– गायत्री मंत्र का जाप करने से पहले स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

– पूजा स्थल को साफ करें और शुद्धता बनाए रखें।

2.सही आसन

– जाप के दौरान सुखासन (पद्मासन) या वज्रासन में बैठें। पीठ सीधी रखें और मन को शांत करें।

3. मंत्र जाप की विधि

– गायत्री मंत्र का जाप उच्चारण के साथ करें। आप इसे मानसिक जाप (मन में) या वाचिक जाप (मुंह से) दोनों तरह से कर सकते हैं।

– जाप माला का उपयोग करके 108 बार मंत्र का जाप करें। यह एक माला (जप माला) पूरी करने के बराबर होता है।

4. समर्पण और ध्यान

– मंत्र का जाप करते समय पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ भगवान का ध्यान करें।

– मानसिक रूप से भगवान सूर्य या गायत्री देवी का ध्यान करें।

गायत्री मंत्र के लाभ

– मंत्र जाप से मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त होती है। यह तनाव और चिंता को कम करता है।

– गायत्री मंत्र का नियमित जाप आत्मा को शुद्ध करता है और आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने में मदद करता है।

– यह मंत्र बुद्धि और मानसिक स्पष्टता में वृद्धि करता है। विद्यार्थियों और विद्वानों के लिए यह बहुत लाभकारी होता है।

– नियमित जाप से शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और रोगों से मुक्ति मिलती है।

– गायत्री मंत्र का जाप करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है।

गायत्री मंत्र पढ़ने का सबसे अच्छा वक्त

1. प्रातःकाल (सूर्योदय से पहले)

– ब्रह्म मुहूर्त (सूर्योदय से लगभग 1 घंटे पहले) गायत्री मंत्र का जाप करने का सबसे शुभ समय माना जाता है। यह समय आध्यात्मिक साधना के लिए आदर्श होता है।

2. संध्या काल (सूर्यास्त के समय)

– संध्या काल (सूर्यास्त के समय) भी मंत्र जाप के लिए शुभ होता है। इस समय का जाप मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है।

3.रात्रि काल

– अगर प्रातःकाल और संध्या काल में जाप संभव नहीं हो, तो रात्रि में सोने से पहले भी गायत्री मंत्र का जाप किया जा सकता है।

गायत्री मंत्र का जाप एक सरल लेकिन अत्यंत प्रभावशाली साधना है जो मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक लाभ प्रदान करती है। इसके नियमों का पालन करते हुए नियमित जाप से जीवन में शांति, संतुलन और समृद्धि आती है। इसे सही समय पर और सही तरीके से जाप करना महत्वपूर्ण है ताकि इसके सभी लाभ प्राप्त किए जा सकें।

गलत जूते पहनने से भी होता है बार-बार पैरों में दर्द, अभी से सुधार लें अपनी गलतियां

कुछ लोगों को शिकायत रहती है कि उनके पैरों में हमेशा दर्द रहता है। बार–बार पैर दर्द होना एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है।

आइए इसके मुख्य कारणों, उपचारों और बचाव के तरीकों पर नजर डालते हैं। इन उपायों का पालन करके आप बार–बार होने वाले पैर दर्द से छुटकारा पा सकते हैं और अपने पैरों को स्वस्थ रख सकते हैं।

पैर दर्द के मुख्य कारण

गलत चप्पल और जूतेः गलत आकार, ऊंची एड़ी, या कठोर सोल वाले जूते पहनने से पैर दर्द की समस्या बढ़ती है। पर्याप्त समर्थन और कुशनिंग वाले जूते न पहनने से भी यह समस्या हो सकती है।

मांसपेशियों की कमजोरी और तनाव– लंबी अवधि तक खड़े रहने, ज्यादा चलने, या भारी काम करने से पैर की मांसपेशियों में तनाव आ सकता है। वहीं एड़ी और तलवे के बीच की जगह में सूजन, नसों में खिंचाव या सूजनया फिर जोड़ों की सूजन के चलते भी पैरों में दर्द रहता है। चोट लगने, मरोड़ने या गिरने से भी पैर दर्द हो सकता है।

दर्द से छुटकारा पाने के उपाय

– पैर को आराम दें और ज्यादा तनाव न दें।

– दर्द कम करने के लिए आइस पैक का उपयोग करें।

– अच्छे समर्थन वाले जूते पहनें।

– फ्लैट और कंफर्टेबल चप्पल का उपयोग करें।

– नियमित रूप से पैर की मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग और मजबूती के व्यायाम करें।

– यदि दर्द गंभीर हो और घरेलू उपचारों से राहत न मिले, तो डॉक्टर से सलाह लें।

सही जूतों का चयन कैसे करें

सही फिटिंगरू सुनिश्चित करें कि जूते आपके पैर के आकार और आकार में सही फिट हों। बहुत तंग या बहुत ढीले जूते पहनने से पैर दर्द हो सकता है।जूते खरीदते समय शाम को या दिन के अंत में खरीदें क्योंकि इस समय पैर थोड़े सूज जाते हैं और सही फिटिंग मिलती है।– जूतों में अच्छा आर्च सपोर्ट होना चाहिए, जो आपके पैर के प्राकृतिक आर्च को समर्थन दे। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है अगर आपको प्लांटर फैशियाइटिस या आर्थराइटिस जैसी समस्याएँ हैं।

कुशनिंगः जूतों में अच्छी कुशनिंग होनी चाहिए ताकि चलने या खड़े रहने के दौरान शॉक को अवशोषित कर सके और पैरों पर कम दबाव पड़े।जूतों की एड़ी मजबूत और स्थिर होनी चाहिए ताकि आपके एड़ी को सही सपोर्ट मिल सके और चोट से बचा जा सके।हल्के वजन के जूते पहनें ताकि चलने या दौड़ने के दौरान पैरों पर ज्यादा भार न पड़े।

बदलते रहें जूतेः सुनिश्चित करें कि जूते के अंदरूनी हिस्से में अतिरिक्त समर्थन या इनसोल्स हों, जो आपके पैरों को आराम प्रदान करें। जूतों को नियमित अंतराल पर बदलें। पुराने और घिसे हुए जूते पहनने से पैर दर्द हो सकता है।

एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग

तौलिया स्ट्रेचः – एक तौलिया को अपने पैर के नीचे रखें और दोनों सिरों को पकड़कर तौलिया को अपने ओर खींचें। इस स्थिति में कुछ समय तक रहें।

मटर का रोलः – एक छोटी गेंद या मटर का उपयोग करके अपने तलवे के नीचे रोल करें। इससे मांसपेशियों की मरोड़ और तनाव कम होता है।

स्ट्रेचः– दीवार के सामने खड़े होकर एक पैर को आगे की ओर और दूसरे को पीछे की ओर रखें। अपने हाथों को दीवार पर रखकर धीरे–धीरे अपने आगे के पैर को मोड़ें और पीछे के पैर को सीधा रखें।

आइसक्रीम से होती हैं ये 'बीमारियां'

जब गर्मियों के दिन अपने ताप से बचने और आनंद लेने का एक लोकप्रिय तरीका होता है आइसक्रीम का सेवन करना। यह स्वादिष्ट और शीतलता प्रदान करने वाला विकल्प होता है। लेकिन, जबकि यह तुरंत राहत और आनंद प्रदान करता है, अधिक मात्रा में आइसक्रीम का सेवन करने से कई स्वास्थ्य संबंधी नुकसान हो सकते हैं। वजन बढ़ना, दांतों की समस्याएँ, डायबिटीज और हृदय रोग के खतरे में वृद्धि आदि उनमें शामिल हैं। इसलिए, इस प्रस्तुति में हम गर्मियों में अधिक आइसक्रीम खाने के नुकसानों पर ध्यान देंगे, जो शारीरिक स्वास्थ्य और कुल मनोरोग को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

गर्मियों में अधिक आइसक्रीम खाने के नुकसानरू

1. वजन वृद्धि

अधिक आइसक्रीम खाने से वजन बढ़ सकता है क्योंकि इसमें अधिक मात्रा में कैलोरी होती है।

2. डायबिटीज का खतरा

आइसक्रीम में ज्यादा शुगर होता है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है।

3. दांतों की समस्याएँ

अधिक आइसक्रीम खाने से दांतों की सड़ने और दर्द की समस्या हो सकती है।

4. पाचन समस्याएँ

अधिक आइसक्रीम का सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जैसे कि अपच और गैस्ट्राइटिस।

5. हृदय स्वास्थ्य

ज्यादा आइसक्रीम में तेल और कोलेस्ट्रॉल हो सकता है, जो हृदय संबंधी समस्याओं के लिए अच्छा नहीं होता।

6. लाभकारी पोषक तत्वों की कमी

आइसक्रीम में अधिकतम मात्रा में विटामिन और अन्य पोषक तत्व नहीं होते हैं, जिससे आपके शरीर को उनकी कमी हो सकती है।

7. प्राकृतिक ऊर्जा की कमी

आइसक्रीम में ज्यादा तेल और शुगर होता है, जिससे आपको अधिक ऊर्जा मिलने में समस्या हो सकती है।

8. चिंता और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

अधिक मिठाई का सेवन करने से चिंता, चिंताओं और मनोवैज्ञानिक समस्याएं बढ़ सकती हैं।

9. प्राकृतिक तत्वों की असमय मृत्यु

बाजार में उपलब्ध आइसक्रीम में प्राकृतिक तत्वों की अधिक मात्रा होने से आपके शरीर को हानि हो सकती है।

आखिर क्यों बढ़ी लाड़ली के लिए बिना ससुराल वाले घर की डिमांड ?

पिता–पुत्री का संबंध बहुत ही खास और मजबूत होता है। शादी के बाद भी इस संबंध को बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है ताकि बेटी को कभी या महसूस ना हो कि वह ससुराल में आकर अकेली पड़ गई है। यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं कि पिता–पुत्री का संबंध शादी के बाद भी कैसे मजबूत बना रहे और बेटी को विभिन्न परिस्थितियों में कैसे सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

नियमित संचार बनाए रखें

फोन कॉल और वीडियो कॉलरू नियमित रूप से बेटी से बात करें। टेक्स्ट, कॉल या वीडियो कॉल के माध्यम से संपर्क में रहें।

साझा गतिविधियांः अगर संभव हो तो बेटी के साथ साझा गतिविधियां करें, जैसे किसी नई रेसिपी पर काम करना या साथ में किसी हॉबी का आनंद लेना।

समय बिताएंः

मिलने का समय निकालेंः शादी के बाद भी बेटी के साथ समय बिताने का प्रयास करें। परिवारिक समारोह या छुट्टियों में मिलने का प्लान बनाएं।

स्पेशल डे सेलिब्रेट करेंः बेटी के जन्मदिन, सालगिरह और अन्य खास अवसरों पर उसे याद दिलाएं कि आप उसके साथ हैं।

सहयोग और समझदारी

भावनात्मक सहयोगः बेटी के भावनात्मक और मानसिक समर्थन के लिए हमेशा उपलब्ध रहें।

सहायक रहेंः उसके जीवन में आने वाली चुनौतियों और समस्याओं में उसे सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करें।

स्वतंत्रता का सम्मान करें

स्वतंत्रताः बेटी की स्वतंत्रता और निर्णयों का सम्मान करें। उसे अपनी जिंदगी में अपनी पहचान बनाने का अवसर दें।

समझदारीः उसकी पसंद और जीवनशैली को समझें और उसमें हस्तक्षेप करने से बचें।

बेटी को सुरक्षा प्रदान करने के तरीके

सुरक्षा की जानकारी दें

सुरक्षा उपायः बेटी को सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दें, जैसे कि आपातकालीन संपर्क नंबर, सेल्फ–डिफेंस तकनीक आदि।

डिजिटल सुरक्षाः ऑनलाइन सुरक्षा के उपाय बताएं, जैसे कि सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स, सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग, और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतना।

मनोबल बढ़ाएं

आत्मविश्वासः बेटी का आत्मविश्वास बढ़ाएं और उसे सिखाएं कि कैसे विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करें।

प्रोत्साहनः उसे हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करें और उसकी उपलब्धियों की सराहना करें।

कानूनी जानकारी

कानूनी अधिकारः बेटी को उसके कानूनी अधिकारों के बारे में जानकारी दें, विशेषकर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के मामलों में।

संपर्क जानकारीः स्थानीय पुलिस, महिला हेल्पलाइन, और अन्य सुरक्षा संगठनों के संपर्क नंबर उसके पास रखें।

बेटी के लिए महत्वपूर्ण सुझाव

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

शारीरिक स्वास्थ्यः नियमित व्यायाम और संतुलित आहार का पालन करें।

मानसिक स्वास्थ्यः मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से संपर्क करें।

आर्थिक स्वतंत्रता

आर्थिक योजनाः अपने वित्तीय मामलों को समझें और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का प्रयास करें।

बजटिंगः खर्चों का बजट बनाएं और बचत की आदत डालें।

शिक्षा और करियर

शिक्षारू अपनी शिक्षा और करियर को प्राथमिकता दें।

नवीनतम कौशलः नई–नई कौशल सीखने का प्रयास करें जो आपके करियर में सहायक हो सकते हैं।

स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता

निर्णय लेने की क्षमताः अपने निर्णय स्वयं लें और अपने जीवन में आत्मनिर्भर बनें।

सुरक्षाः अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहें और आत्मरक्षा के तरीकों को सीखें।

पिता–पुत्री का संबंध एक विशेष बंधन है जिसे शादी के बाद भी बनाए रखना महत्वपूर्ण है। संचार, समर्थन, स्वतंत्रता का सम्मान और सुरक्षा के उपायों के माध्यम से इस संबंध को और भी मजबूत बनाया जा सकता है। बेटी को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और सुरक्षित बनाने के लिए माता–पिता का सहयोग और मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण होता है।

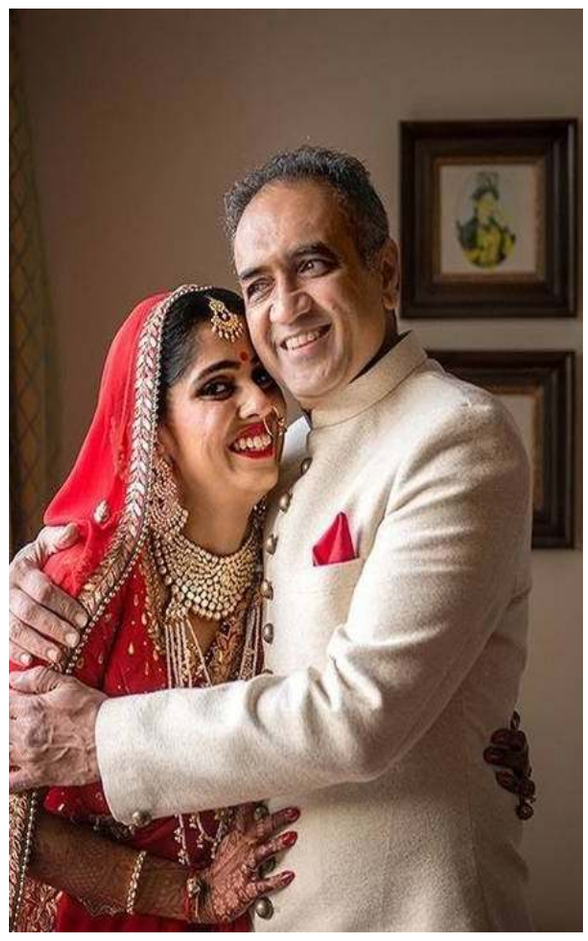

कवि राम जियावन दास बावला सृजन और सरोकार विषय पर व्याख्यान आयोजित

वाराणसी। राहुल सभागार, भोजपुरी अध्ययन केंद्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं शोध संवाद समूह के तत्वावधान में 'भिखारी ठाकुर स्मृति व्याख्यान माला – 2 के तहत 'सुप्रसिद्ध कवि राम जियावन दास "बावला" सृजन और सरोकार' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से हुआ। कुलगीत "मधुर मनोहर अतीव सुंदर" का गायन अलका एवं श्रेया जी ने किया।

इस कार्यक्रम के संयोजक भोजपुरी अध्ययन केंद्र के समन्वयक 'प्रो. प्रभाकर सिंह' थे।

अतिथियों को सम्मानित कर स्वागत वक्तव्य देते हुए प्रो. प्रभाकर सिंह ने बताया कि बावला जी को लोक का तुलसीदास कहा जाता है। बावला जी जनकवि थे। भारत की विविधताओं को जानने के लिए लोक में रचा बसा राम कथा पर आधारित काव्य बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्रम में बावला जी की कविताओं का अध्ययन भी जरूरी है। बावला जी केवल भोजपुरी समाज के ही कवि नहीं है आप उनको पढ़कर कह सकते हैं कि बावला जी हिंदी के बड़े जातीय कवि हैं। हम लोक के कवि को केवल जनपदीयता से जोड़कर उनकी सीमा को, दृष्टि को संकुचित कर देते हैं।

कार्यक्रम के अगली कड़ी में भोजपुरी पत्रिका 'भोजपुरिया वन' का लोकार्पण किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, हिंदी विभाग,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष, कवि एवं आलोचक, भोजपुरी अध्ययन केंद्र के संस्थापक, प्रो. सदानंद शाही ने कहा कि 2009 में भोजपुरी अध्ययन केंद्र बना उसके पश्चात कुंवरसिंह पर एक सेमिनार हुआ था। इस सेमिनार में बावला जी को आमंत्रित किया गया था। उसमें बावला जी को सम्मानित किया गया और उन्होंने काव्य पाठ भी किया था। लोक कवि को बने हुए रूढ़ी में बांधकर देखने की दृष्टि को परिवर्तित करने की आवश्यकता है। तुलसीदास का प्रभाव भोजपुरी समाज और साहित्य पर खूब पड़ा है। कवि की विलक्षणता और विशेषता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कवि को ब्रांड में बांध नहीं देना चाहिए।"बावला जी आपादमस्तक कवि थे" रहीम ने इसके लिए एक शब्द प्रयोग किया है,'सरहपाद' माने सर से पाँव तक। बावला जी स्वभाव से कवि थे। आलोचना हुई कि नहीं, पुरस्कार मिलेगा या नहीं, कवि केरूप में प्रतिष्ठित हूँगा या नहीं इन सब से मुक्त बावला जी स्वाभाविक कवि थे।

'सबके आगे नावत माथा, शुरू भईल विदेसिया कथा' में भिखारी ठाकुर कथा दोहरा देते तो कौन पूछता विदेसिया को। कवि की मौलिकता को केंद्र में रखना चाहिए। कवि की विशेषता ही है कि वह उसके साथ खड़ा होता है, जो पीछे है, वंचित हैं, शोषित हैं। अध्यक्ष महोदय ने लोक शब्दों के अर्थों को खंगालने की कोशिश की। उनमें एक शब्द है'खाले'। जब राम खाले में चले गए इसका मतलब न्याय भी खाले में है, आदर्श भी खाले में ही है। बेहयाई के विकास को दर्ज करने वाले कवि को खांचे में बांधते के स्थान पर समग्रता में देखना चाहिए। राम जियावन बावला राम के जियवलें या राम बावला के जियवलें इकरा पर भी ध्यान देवे के चाही। अवधी में पसीना छूट जाई फिर से पद्मावत लिखे में, रामचरितमानस लिखे में, लेकिन भोजपुरी क मैदान खाली बा। भोजपुरी में ऐसी सृजनात्मकता की संभावना है उसमें सूरसागर लिखा जा सकता है,रामचरितमानस लिखा जा सकता है, पद्मावत लिखा जा सकता है। अध्यक्ष महोदय ने भोजपुरी अध्ययन केंद्र में भोजपुरी का दीया जलाए रखने हेतु प्रो. प्रभाकर सिंह को बधाई दी।

इस व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता, संपादक एवं लेखक जनार्दन सिंह ने बताया कि लोक कथा से लेकर साहित्य की दुनिया में फैले भ्रम को दूर करने का कार्य एक चीनी लोक कथाकार ने किया था, जिसे साहित्य का नोबल पुरस्कार दिया गया।सरकार उड़ीसा से हलधर नाथ को पद्मश्री प्रदान कर रही है तो बावला जी को क्यों नहीं। पशुओं को चराते हुए , सारा दिन चरवाही और घुमंतूपन में बीतता था। यह जीवनचर्या उनको गांव के भिन्न–भिन्न जाति के लोगों के निकट लाई। उनके लिए लोक एक कुटुंब की भांति था। बावला जी अपना पुस्तक छपाने काशी आए थे। तब प्रकाशक महोदय ने कहा आपका नाम बड़ा लंबा चौड़ा है थोड़ा छोट कर लीजिए। बावला जी काशी में हैरान परेशान घूम रहे थे, एक साधु ने उनसे कहा बावला हो का जो एने ओने घूम रहे हो। बावला जी ने बावला नाम धारण कर लिया। "बावला जनकबीर थे, संत कवि थे।" ये 'भोजपुरिया आवन' नामक पत्रिका के संपादक हैं।

झारखंड के गिरिडीह से आएं मुख्य वक्ता, कवि एवं आलोचक बलभद्र ने कहा कि बावला जी पर शोध कार्य को बढ़ावा देना चाहिए। इन्होंने बावला कवि पर 'किसान कवि बावला' पर लिखित अपने लेख का जिक्र किया। इन्होंने बताया कि बावला जी मूलतः 'किसान कवि' हैं। जो गाँव का कवि होता है, लोक का कवि होता है उसके विषय का वैविध्य लोक समाज और संस्कृति को संजोए हुए होता है। बावला जी ने राम, शिव और कृष्ण इन तीनों देवताओं पर कविता का सृजन किया। किसान के, चरवाहा के जीवन में श्रम के दौरान उनके वाणी में हमेशा राम प्रस्फुटन होता रहता है। लोक कवि का मन लोक जीवन के रस से बना मन होता है। बावला जिस आंगन में राम रहे हैं, जिस नगर में रहे हैं, उसको बावला वर्णित करते है। बावला का लोक शब्द बहुत समृद्ध है। लोक के कवि के मानस को जानने हेतु लोक के शब्दकोश को जानना आवश्यक है। कविता को लिखने से अधिक सुनने की आवश्यकता है। रमाकांत द्विवेदी 'रमता' भोजपुरी के पहले पॉलिटिकल कवि हैं।

'धूरी में, माटी में, विंध्याचल घाटी में बावला कहाई ला'

'आँख मारी उखियाँ लगाई के कजरिया'

'अंगना मूरतिया सुरतिया सिवनवा में' कविताओं का जिक्र किया।

'नमन बा डोली के पिछला कहार के' क्योंकि आगे का कहार तो रोशनी में चलता है और पीछे वाल अंधेरे में। ये पिछला कहार गांव गिराव के पिछड़े लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

'नया नया भात हो सनेहिया के भात हो' जनवरी माह का वर्णन,एक किसान कवि हैपी न्यू ईयर इस रूप में कहता है।

कार्यक्रम का संचालन युवा अध्येता, अमित कुमार पांडेय ने किया। इन्होंने बताया कि जनार्दन प्रसाद झा भोजपुरी के लोक ऋषि थे।

"गंवई के निवासी बनवासी हम३३धूरी में माटी में, विंध्याचल की घाटी में 'बावला' कहाई ला"

मानस पत्रिका के संपादक आर्यपुत्र दीपक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इन्होंने कहा कि लोकभाषा का लुप्त हो जाना उस भाषा में ऊपजी संस्कृति का लुप्त हो जाना है।

इस व्याख्यान में बावला जी के प्रपौत्र कौशिक उपस्थित थे। महिला महाविद्यालय से डॉ. उर्वशी गहलौत, प्रो. नीरज खरे, डॉ. अशोक कुमार ज्योति, डॉ. रविशंकर सोनकर, डॉ. प्रभात कुमार मिश्र, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. सत्यप्रकाश सिंह

अध्ययन केंद्र के धुरी दिलीप और सर्वेश जी भी उपस्थित थे।

अलका प्रकाश ने वृक्षारोपण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए

प्रयागराज। प्रोग्रेसिव लिटरेरी एवं कल्चरल सोसाइटी के तत्वावधान में नैनी प्रयागराज के महुवारी ग्राम में औषधीय पौधों का पौधारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामवासियों को औषधीय पौधों के महत्व से परिचित करवाया गया ।यह वृक्षारोपण प्रोग्रेसिव लिटरेरी एवं कल्चरल सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ शमेनाज बानो के निर्देशन में हुआ ।इस कार्यक्रम में संगठन की सक्रिय कार्यकर्ता डॉ अलका प्रकाश ने भी वृक्षारोपण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये ।इस कार्यक्रम में प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या)विश्वविद्यालय की शिक्षिकाएं भी शामिल थी।

एमिनेंट आर्टिस्ट डॉ. जाहेदा की इथीरियल विषयक चित्र कला प्रदर्शनी बनारस में

प्रयागराज। अपने खथ्वाबों को हकीकत का रंग देने वाली शहर प्रयागराज की एमिनेंट आर्टिस्ट खानम आर्ट गैलरी की निदेशक डॉ. जाहेदा खानम की 13वीं एकल इथीरियल विषयक शचित्र कला प्रदर्शनीश इस बार भारत कला भवन वाराणसी में लगेगी। सोमवार 29 जुलाई को प्रदर्शनी का उद्घाटन होगा ।बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर मंजुला चतुर्वेदी एवं गेस्ट ऑफ आनर डॉ. जसविंदर कौर उपनिदेशक भारत कला भवन रहेंगी। डॉ. जाहेदा खानम ने अपने इमोशन्स, विचार और रंगों को आकार के माध्यम से चित्रों को कैनवास पर बहुत ही क्रेटीविटी के साथ उकेरा है। जो बरबस ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं। चित्रों में ब्रूश की जगह पैलेट नाइफ का प्रयोग किया है। कहते हैं, कला समाज का दर्पण होती है। लेहाजा पेंटिंग्स में समाज के प्रति चिंता, समाज का उद्धार, प्रगति लाना, विकास के लिए अग्रसर और छात्रों में नई सोच उत्पन्न करना, अपनी जिज्ञासा को शांत और सुंदर बनाने का प्रयास है। 6 दिवसीय यह प्रदर्शनी 3 अगस्त तक चलेगी।

रोटरी प्लैटिनम द्वारा निरूशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

प्रयागराज। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम क्लब ने सेंटर फॉर साइट के संयुक्त सहयोग से निरूशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में प्रयागराज के सभी रोटरी क्लब के सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन ने बताया कि यह शिविर समाज सेवा के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने अपनी आंखों की निरूशुल्क जांच कराई। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि इस शिविर में लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और इसे अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। सेंटर फॉर साइट के डॉक्टर कमलजीत सिंह ने अध्यक्ष शशांक जैन को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। डॉक्टर संयोगिता गुप्ता ने अध्यक्ष शशांक जैन, डीजीआरएच पंकज जैन, चार्टर अध्यक्ष रितेश सिंह, और प्रोग्राम चेयरमैन डॉक्टर प्रतीक पांडेय को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व अध्यक्ष पियूष रंजन अग्रवाल ने सभी डॉक्टरों, विशेष आभार सोहन राय और अन्य सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस शिविर में पूर्व अध्यक्ष नितिन चोपड़ा, उपहार जायसवाल, अनुकूल श्रीवास्तव, दीपक गुप्ता, जय कुमार, और अरविंद अग्रवाल समेत कई गणमान्य रोटेरियन सदस्य उपस्थित रहे। इस सफल आयोजन के लिए रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम क्लब ने सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे और शिविरों के आयोजन की योजना बनाई।

लोकपाल समाज शेखर ने बालुकेश्वर नाथ धाम व

बेल्हा देवी धाम का पत्नी प्रीति समाज संग किया दर्शन

मनरेगा योजना से देवघाट के स्थानीय विकास हेतु की संस्तुति

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बालुकेश्वर नाथ धाम व बेल्हा देवी धाम का पत्नी प्रीति समाज संग किया दर्शन पूजन किया। बालुकेश्वर नाथ धाम के स्थानीय संसाधनों के विकास हेतु मनरेगा योजना से ग्राम पंचायत द्वारा कार्य कराये जाने की संस्तुति विकास खंड कार्यालय को किया। साथ ही बेल्हा देवी धाम में सई नदी पर बन रहे रिवर फ्रंट की सराहना करते हुए जनपद व बेल्हा देवी धाम के अपरिहार्य आवश्यकता बताया।

लोकमान्यता है की सदर ब्लाक के डोमीपुर ग्राम पंचायत मे स्थित श्री रामायण कालीन बालुकेश्वर नाथ धाम में वन गमन के दौरान प्रभु श्री राम नदी उतरने के बाद इस स्थान पर बालू को जोड़कर शिवाभिषेक किया था। तब से यह स्थान देवघाट के रूप में जन मानस मे प्रसिद्ध है। इस स्थान के विकास हेतु स्थानीय समाज व सरकार को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने महंत व पुजारियों तथा उपस्थित स्थानीय नागरिको के साथ देवघाट स्थित सभी मंदिरों, सार्वजनिक स्थलों व नदी के घाट का भ्रमण किया और आवश्यक सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा की प्रभु श्री राम जी के वन गमन मार्ग का विकास निरंतर हो रहा है। देवघाट के मार्ग को स्थल की महत्ता के अनुरूप विकसित किया जाए। देर शाम लोकपाल समाज शेखर ने पत्नी प्रीति समाज के साथ बेल्हा देवी धाम का दर्शन पूजन किया। निर्माणाधीन रिवर फ्रंट से रूबरू हुए। नदी और घाट की स्वच्छता हेतु नगर पालिका व मन्दिर प्रबन्धन की सराहना की।

डीएम एवं एसपी ने थाना समाधान दिवस पर दिलीपपुर में फरियादियों की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना दिलीपपुर में आये हुये फरियादियों की शिकायतों को सुना। सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिये। थाना समाधान दिवस में कुल 12 शिकायतें राजस्व विभाग की प्राप्त हुई। जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की 04 टीमें गठित कर राजस्व सम्बन्धित प्रकरणों के निस्तारण हेतु क्षेत्रों में भेजा। निर्देश दिये कि बिना किसी पक्षपात के सम्बन्धित शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण करायें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरते अन्यथा की स्थिति मे सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने लेखपालों व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे किये गये है उसे खाली कराया जाये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण कराया जाये। ताकि फरियादियों को बार–बार अपनी शिकायतों को लेकर इधर–उधर भटकना न पड़े। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों को गम्भीरता से सुनें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता कदापि न बरती जाये। राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि शिकायतों का शत् प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण किया जाये। किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाये। पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने कहा कि थाने में आये हुये फरियादियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। उनकी शिकायतों को सावधानीपूर्वक सुने तथा जल्द से जल्द उनकी शिकायतों का निस्तारण करायें। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी रानीगंज, सम्बन्धित अधिकारी व राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

आँखों की सुरक्षा जीवन के लिये अमूल्य-प्रमोद तिवारी

प्रतापगढ़। लालगंज के संगम चौराहे के समीप शनिवार को राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने आर्यावर्त आई हास्पिटल का समारोहपूर्वक उदघाटन किया। लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आंख मानव शरीर का सबसे संवेदनशील अंग है। भारतीय चिकित्सा क्षेत्र में आंख का इलाज दुनिया के देशों में सबसे सस्ता है। आंख की रोशनी सुरक्षित रहने पर ही विकास का प्रकाश जगमग होता हैक। उन्होनें अस्पताल प्रबंधन से गरीब तबके के लोगों की आंखों के उपचार में मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देने का आहवान किया। शिविर का संयोजन डा0 धर्मेन्द्र सिंह ने किया। डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह ने आंखों से जुडी बीमारियों पर प्रकाश डालते हुए बेहतर उपचार की तकनीकी के बारे में बताया। शिविर में अस्सी मरीजों की आंखों का परीक्षण हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख इं0 अमित प्रताप सिंह तथा संचालन अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी विशिष्ट अतिथि रहे। इस मौके पर हर्षित गुप्ता, दिनेश प्रताप सिंह, के वी सिंह, डा0 वकील अहमद, डा0 नीरज शुक्ला, डा0 अरूण द्विवेदी, केडी मिश्र, आशीष उपाध्याय, छोटे लाल सरोज, पप्पू तिवारी, कुंवर ज्ञानेन्द्र सिंह, राजू पाण्डेय, अभिनव शुक्ला, अतुल शुक्ला, संतोष पाण्डेय, त्रिभु तिवारी, शास्त्री सौरभ, मुरलीधर तिवारी आदि मौजूद रहे।

स्थायी लोक अदालतों में रिक्त अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति हेतु 31 अगस्त तक करें आवेदन–अपर जिला जज

प्रतापगढ़। अपर जिला जज सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने बताया है कि प्रतापगढ़, कानपुर नगर, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, बस्ती, कानपुर देहात, सहारनपुर, सुल्तानपुर, उन्नाव, इलाहाबाद, गोरखपुर, बागपत, अलीगढ़, हमीरपुर, जीवी नगर, हरदोई, बिजनौर, महाराजगं एवं बुलन्दशहर के स्थायी लोक अदालत में रिक्त अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्रारम्भ की गयी है। स्थायी लोक अदालतों में रिक्त अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति हेतु 31 अगस्त 2024 तक आवेदन कर सकते है। नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप एवं अधिक जानकारी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त सम्पर्क कर सकते है।

सत्ता में आते ही अग्निपथ योजना' को 24 घंटे में रद्द कर देंगे अखिलेश

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सेवानिवृत्त अग्निवीरों के लिए आरक्षण की घोषणा किए जाने के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दोहराया कि वह सत्ता में आते ही सैनिकों की भर्ती की इस अल्पकालिक 'अग्निपथ योजना' को 24 घंटे में रद्द कर देंगे। अखिलेश यादव ने हाल में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान अपनी लगभग सभी रैलियों में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) के सत्ता में आने पर अग्निवीर भर्तियों को रद्द करने का वादा किया था। उन्होंने शनिवार को भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''सत्ता में आते ही 24 घंटे में (अग्निपथ योजना) रद्द होगी। उन्होंने इसे ''देश की सुरक्षा से समझौता करने वाली और सैनिकों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली भर्ती'' योजना बताया। उन्होंने सेना में भर्ती की पुरानी प्रक्रिया को बहाल किए जाने की मांग करते हुए कहा, '' 'अग्निवीर' पर यही मांग हमारी, पुरानी भर्ती की फिर हो बहाली।'' मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक बयान में कहा था कि सेवानिवृत्त अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी बल (प्रादेशिक आर्मघ्ड कांस्टेबुलरी) में महत्व (वेटेज) दिया जाएगा।

संक्षिप्त

विद्यालय में मनाया गया ग्रीन डे, हरे रंग के कपड़ों मे नाजर आए बच्चे

प्रतापगढ़। शहर के वीएस मेमोरियल सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में शनिवार को बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए ग्रीन डे का आयोजन किया गया। स्कूल सभी बच्चे हरे रंग के कपड़े पहने विद्यालय आए। पर्यावरण का महत्व समझने के लिए विद्यालय में बच्चों के बीच पोस्टर लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें छात्र अरिदमन प्रथम, आकृति पांडे द्वितीय व शुभम चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में नाजिश ने प्रथम, मानवी द्वितीय व शाहीन ने तीसरा स्थान हासिल किया। हुनरमंद बच्चों को विद्यालय की डायरेक्टर अलका सिंह ने पुरस्कृत किया। अलका सिंह ने बताया कि विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा पौधरोपण कराया गया। उन्हें पर्यावरण बचाने व उसके महत्व के बारे में बताया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका जया राय ने किया। इस मौके पर शिक्षिका ज्योति गुप्ता, अनामिका सिंह, श्वेता तिवारी, नैना पाठक, आफरीन, प्रतिष्ठा, वंदना, निष्ठा, वीरा गुप्ता आदि शिक्षिकाओं के साथ बच्चे मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं को दी गई नए अपराधिक कानून की निःशुल्क पुस्तकें

प्रतापगढ़। जिला बार एसोसिएशन सभागार में शनिवार को नये अपराधिक कानून से सम्बन्धित पुस्तकों का निःशुल्क वितरण अधिवक्ताओं को किया गया। बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के सदस्य उच्च न्यायालय प्रयागराज के वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द्र नाथ सिंह द्वारा नए अपराधिक कानून से सम्बन्धित 160 पुस्तकें अधिवक्ताओं को निःशुल्क वितरण के लिये भेजी गई थी। शनिवार को जिला बार एसोसिएशन के सभागार में अध्यक्ष बृजेश बहादुर सिंह, पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, महामंत्री राजेश्वर प्रताप सिंह द्वारा अधिवक्ताओं को पुस्तक का वितरण किया गया। श्री सिंह ने बताया कि पुनः प्राप्त होने पर और प्रतियों का निशुल्क वितरण शीघ्र ही अधिवक्ताओं को किया जाएगा। इस दौरान रामचंद्र सिंह, अशोक कुमार सिंह, शिव प्रसाद तिवारी, नवनीत श्रीवास्तव, सत्य नारायण पाण्डेय, यज्ञ नारायण सिह, धर्मेन्द्र सिंह सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

रोजगार मेले में छात्र–छात्राओं ने नौकरी के लिए चयनित होने पर जताई खुशी

प्रतापगढ़। लालगंज के अझारा स्थित भागवतदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में अडानी ग्रुप आफ कंपनी तथा टाटा पावर के सोलर प्लाण्ट की विशेषज्ञ टीम ने रोजगार के क्षेत्र में अवसर की उपलब्धता की छात्र छात्राओं को विधिवत जानकारियां दी। विशेषज्ञ अनुराग तथा प्रदीप शुक्ला ने छात्र छात्राओं को सेवा के क्षेत्र में गुणवत्ता के टिप्स दिये। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबधंक सुनीता मिश्र व प्रकाशचंद्र मिश्र ने किया। प्राचार्य डॉ0 पूनम त्रिपाठी ने सफल मेधावियों अभिषेक सिंह, शमशाद, अभिषेक मिश्र, प्रियांशी श्रीवास्तव, रवि गुप्ता, शिवम तिवारी, रचित द्विवेदी, विपिन सरोज, आशीष शर्मा, अवध गुप्ता, शिवम विश्वकर्मा को सम्मानित किया। इस मौके पर लक्ष्मीकांत पाण्डेय, कृष्णा जायसवाल, डॉ0 शालिनी शुक्ला, डॉ0 रेखा पाण्डेय, डॉ0 लक्ष्मीकांत द्विवेदी, राहुल सिंह, संतोष शुक्ल, हृदय पाण्डेय, विनोद पाण्डेय, शुभम श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

टैबलेट पाकर खुद हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ

प्रतापगढ़। सिटी स्थित प्रताप बहादुर पीजी कॉलेज में शनिवार को स्वामी विवेकानंद योजना के तहत छात्र–छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को डिवाइस के सदुपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार कि यह योजना उच्च शिक्षा के लिए छात्र–छात्राओं के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है। नोडल प्रभारी प्रोफेसर ब्रह्मानंद प्रताप सिंह ने बताया कि महाविद्यालय को शासन के द्वारा कुल 412 डिवाइस प्राप्त हुई है। जिसमें 300 डिवाइस संस्थागत विभिन्न विषयों के छात्र–छात्राओं के लिए एवं 112 डिवाइस राजार्शी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं को दिया जाना है। इस अवसर पर डॉक्टर राजीव सिंह, प्रोफेसर उपेंद्र सिंह, डॉक्टर देवेश सिंह, डॉक्टर नीरज त्रिपाठी, डॉ प्रणव ओझा, महाविद्यालय के जन सूचना अधिकारी अजीत प्रताप सिंह, डॉक्टर अखिलेश मोदनवाल डॉ0 वंदना सिंह, डॉक्टर कुलदीप, जितेंद्र कुमार सैनी, डॉ0 भूपल सिंह, विनय सिंह, अवनीश सिंह, संकल्प सिंह, विनोद मौर्य, बालेंदु भूषण सिंह, संदीप मौर्य, प्रमोद मौर्या, उपमन्यु शुक्ल आदि उपस्थित रहे।

सरकारी जमीन पर भूमाफिया कर रहे कब्जा

प्रतापगढ़, कुण्डा। कालाकांकर ब्लाक के जुगई का पुरवा कड़ौ गांव निवासी चन्द्रभान पटेल ने मुख्यमंत्री के जन सुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत की है। आरोप लगाया कि गांव के ही भूमाफिया राजस्व अधिकारियों की मिली भगत से पंचायत भवन, गांधी चबूतरा, बंजर जमीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों से कई बार ग्रामीणों ने शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप कि एसडीएम से भी शिकायत करने के बाद भी मामला जांच कराने तक सिमट कर रह गया। मामले को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि अवैध कब्जे की जांच कराकर सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे को रोका जाए। दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

चोरों ने घर मे घुसकर की लूटपाट, पुलिस तहकीकात में जुटी

प्रतापगढ़, लालगंज। एक ही रात दो घरों में हुई चोरी की घटना से ग्रामीण दहशत में हैं। चोरी की दोनों घटनाओं में पीडितजनों ने सांगीपुर पुलिस को तहरीर दी है। सांगीपुर थाना के चौधरी का पुरवा गांव की धर्मू देवी पत्नी शंभू वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि शुक्रवार की रात वह अपनी पुत्री के साथ घर के दरवाजे पर सो रही थी। इसी दौरान छत के रास्ते अज्ञात चोर घर के अंदर घुस आये और आलमारी, बक्सा व अटैची का ताला तोडकर लाखों के जेवरात और करीब सत्तावन हजार की नकदी चुरा ले गये। सुबह सोकर उठने पर घर में चोरी होने की जानकारी हुई तो पीड़िता आवाक रह गयी। चोरी की घटना पडोसी के सीसी फुटेज में कैद है। वहीं चोरी की दूसरी घटना पीडिता की जेठानी निर्मला देवी पत्नी जियालाल वर्मा के यहां हुई। पीडिता निर्मला देवी के अनुसार छत के रास्ते घर में घुसे चोर लाखों के जेवरात व पांच हजार की नकदी चुरा ले गये। एसओ मनीष तिवारी का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

हमले के दौरान ट्रंप के कान पर वास्तव में गोली लगी थी : एफबीआई

डोनाल्ड ट्रंप पर करीब दो सप्ताह पहले हुए हमले को लेकर लगाई जा रही तमाम तरह की अटकलों को विराम देते हुए संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की कि पेनसिल्वेनिया में रैली के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के कान में वास्तव में गोली लगी थी। एफबीआई ने एक बयान में कहा, ''हमलावर की रायफल से चली पूरी गोली या छर्रा पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के कान में लगा था।'' एफबीआई के निदेशक

क्रिस्टोफर रे ने इस सप्ताह की शुरुआत में हमले को लेकर कुछ अस्पष्ट टिप्पणियां की थीं, जिससे इस बात को लेकर अटकलें लगने लगी थीं कि क्या ट्रंप को वास्तव में गोली लगी थी। इस टिप्पणी को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने नाराजगी जताई थी। एफबीआई और 'सीक्रेट सर्विस' समेत जांच में शामिल कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया था कि ट्रंप किस वजह से घायल हुए थे। ट्रंप के प्रचार अभियान दल ने भी उस अस्पताल के मेडिकल रिकॉर्ड जारी करने से इनकार कर दिया था, जहां पूर्व राष्ट्रपति का घायल होने के बाद इलाज किया गया था। ट्रंप के स्वास्थ्य के संबंध में हर जानकारी या तो खुद ट्रंप से या फिर 'व्हाइट हाउस' में उनके पूर्व चिकित्सक रॉनी जैक्सन से मिली। एफबीआई ने बाद में एक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की कि गोलीबारी ''पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या का प्रयास थी, जिसके परिणामस्वरूप वह घायल हुए और एक वीर पिता की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

व्योमिंग में विमान हादसा, कई लोगों की मौत

अमेरिका के व्योमिंग प्रांत में एक विमान दुर्घनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार कई लोगों की मौत होने के साथ ही जंगल में भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कैंपबेल काउंटी के अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में बताया कि यह हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ, जब विमान व्योमिंग की सीमा के पास स्थित जिलेट शहर में उड़ान भर रहा था। उन्होंने कहा कि हादसे में मरने वाले लोगों की संख्या फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है। कैंपबेल काउंटी के

अंडरशेरिफ क्वेंटिन रेनॉल्ड्स ने जिलेट न्यूज रिकॉर्ड को बताया कि हादसे से पहले विमान के पायलट ने आपात संदेश भेजकर बताया था कि विमान में कुछ गड़बड़ी होने के संकेत दिए थे। उन्होंने बताया कि बाद में इलाके के लोगों ने फोन कर संभावित दुर्घटनास्थल के पास से धुआं उठता दिखने की जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, विमान के दुर्घनाग्रस्त होने से जिलेट के आसपास के जंगलों में भीषण आग लग गई। उन्होंने बताया कि विमान की मदद से इलाके में पानी का छिड़काव कर लपटों पर काबू पाने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने हादसे की जांच के लिए अपनी एक टीम घटनास्थल के लिए रवाना की है।

यूरोपीय संघ ने 'फ्रीज' की गयी रूसी धनराशि से ब्याज में मिले 1.6 अरब डॉलर यूक्रेन को दिये

हेग (नीदरलैंड्स)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने घोषणा की कि उसने यूक्रेन की सहायता के लिए 1.5 अरब यूरो (1.6 अरब अमेरिकी डॉलर) उपलब्ध कराये हैं, जो 'फ्रीज' की गई रूसी धनराशि के मुनाफे से प्राप्त ब्याज की पहली खेप है। मई में यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देश रूसी केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों में शामिल 210 अरब यूरो (225 अरब अमेरिकी डॉलर) से अर्जित ब्याज का युद्धग्रस्त यूक्रेन को सैन्य सहायता पहुंचाने तथा वहां पुनर्निर्माण के प्रयासों पर खर्च करने पर सहमत हुए थे। रूस द्वारा यूक्रेन में पूर्ण युद्ध छेड़ने पर उसपर (रूस पर) पाबंदियां लगाने के तहत उसके (रूस) पैसे को 'फ्रीज' कर दिया गया था।

पाकिस्तान में बिजली बिल और टैक्स में वृद्धि का विरोध, सड़क पर उतरी जमात-ए-इस्लामी, दिया धरना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार द्वारा बिजली बिल और वेतनभोगी वर्ग के करों में की गई बढ़ोतरी का विरोध तेज हो गया है। पाकिस्तान के राजनीतिक संगठन जमात–ए–इस्लामी ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन रावलपिंडी और इस्लामाबाद में धरना दिया। जमात–ए–इस्लामी के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए बिजली बिल को कम करने की मांग की। पहले जमात ए इस्लामी ने इस्लामाबाद के डी चौक से रैली निकालकर प्रदर्शन करने का एलान किया था, लेकिन पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोक दिया। इसके बाद पार्टी ने योजना बदलते हुए रावलपिंडी के मुर्री रोड, चुंगी नंबर 22 और इस्लामाबाद के एच–8 ब्रिज पर धरना दिया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख हाफिज नईम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मांगें पूरी न होने तक धरने पर बैठे रहने का एलान किया। उन्होंने कहा कि हमारी मांगें सरल हैं। हम चाहते हैं कि सरकार जनता को राहत दे। उन्होंने कहा कि पार्टी देश की कठिनाइयों से अवगत है लेकिन बिजली दरों के मुद्दे का समाधान किया जा सकता है। सरकार निजी बिजली वितरकों से बातचीत करके दरों को कम कर सकती है। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगीं। तब तक विरोध जारी रहेगा। नईम ने कहा कि यदि सरकार हमारी मांगों पर गौर करती है तो हम बातचीत के लिए तैयार हैं। हम चाहते हैं सरकार इस मामले में बातचीत के लिए समिति बनाए। उन्होंने रविवार शाम को मुरी रोड पर बड़े धरने को संबोधित करने का एलान किया। उन्होंने लोगों से धरने में शामिल होकर अपने अधिकारों के प्रति लड़ने की अपील की। जमात ए इस्लामी पाकिस्तान की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है और बड़े विरोध प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसके प्रदर्शनकारी हमेशा शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हैं। लेकिन नईम

ने आरोप लगाया कि उनके कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने मांग की कि कार्यकर्ताओं को जल्द से जल्द रिहा किया जाए।

पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी ने भी किया प्रदर्शन

वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (PTI) के समर्थकों ने भी देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने बिजली दरों को कम करने और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल से छोड़ने की मांग की। पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि पीटीआई सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के चलते इस्लामाबाद में प्रदर्शन नहीं कर सकी। वहीं लाहौर में पंजाब प्रांत की एजेंसियों ने दोनों पार्टियों के 150 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

लाओस और भारत के बीच डिजिटल समेत कई समझौते, विदेश मंत्री एस जयशंकर की मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर

वियेनटाइन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को लाओस के विदेश मंत्री सलेउमक्से कोमासिथ के साथ बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इनमें त्वरित प्रभाव परियोजनाओं और डिजिटल समाधान जैसे समझौते शामिल हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने किया ट्वीट

जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजधानी वियेनटाइन में हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक की राजधानी में विदेश मंत्री सलेउमक्से कोमासिथ के साथ अच्छी बैठक हुई। गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए उनका धन्यवाद किया।' विदेश मंत्री ने कहा, 'मेकांग–गंगा सहयोग के तहत लाओस के लिए 10 त्वरित प्रभाव परियोजनाओं और डिजिटल समाधान को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर हुए। गौरतलब है कि मेकांग–गंगा सहयोग का उद्देश्य छह देशों– भारत, कंबोडिया, लाओस पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम के बीच पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा, परिवहन और संचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है।

मेकांग–गंगा सहयोग को इन क्षेत्रों में भी दिया गया विस्तार

मेकांग–गंगा सहयोग के तहत स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा, कृषि, लघु और मध्यम उद्यम, जल संसाधन प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और क्षमता निर्माण जैसे नए क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। दोनों नेताओं ने रामायण और बौद्ध धर्म की साझा सांस्कृतिक धरोहरों का जश्न मनाते हुए एक विशेष डाक टिकट भी लॉन्च किया।

भारत के खिलाफ आतंकी भेज रहे पाकिस्तान का दिखावा, पंजाब प्रांत से 38 आतंकवादियों की गिरफ्तारी का दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की। उसका दावा है कि इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस), टीटीपी और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के 38 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया है।

पंजाब के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया

पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस सप्ताह पुलिस ने खुफिया सूचनाओं के आधार पर पंजाब के विभिन्न जिलों में अभियान चलाया तथा आईएसआईएस, तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) व अन्य संगठनों से जुड़े संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया।

हर एक वोट के लिए जान लड़ा दूंगी

कमला हैरिस ने किया राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का आधिकारिक ऐलान

अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने आधिकारिक तौर पर इस साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की, क्योंकि उन्होंने शुक्रवार (26 जुलाई) को फॉर्म पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने हर वोट हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने की कसम खाई, साथ ही विश्वास जताया कि वह 5 नवंबर को होने वाले चुनाव में जीत हासिल करेंगी। उनका मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप से है, जो तीसरी बार भी मैदान में उतरे हैं। हैरिस ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने के लिए एक्स को लिखा कि आज, मैंने आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करने वाले फॉर्म पर हस्ताक्षर किए। मैं हर वोट हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी और

नवंबर में हमारा जन–संचालित अभियान जीतेगा। उनकी उम्मीदवारी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा साथी डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बीच दौड़ से हटने की घोषणा के बाद आई। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में हैरिस का समर्थन किया, जिन्हें व्हाइट हाउस की दौड़ में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा से भी समर्थन मिला। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने हाल ही में जो बाइडेन के दौड़ से बाहर होने के बाद सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया था। ओबामा ने कहा कि वह और अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में हैरिस की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। ओबामा ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में मैंने अपने मित्र कमला हैरिस को फोन किया। हमने उससे कहा कि हमें लगता है कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका की एक शानदार राष्ट्रपति बनेगी और उसे हमारा पूरा समर्थन है। हमारे देश के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण में हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे कि वह नवंबर में जीत हासिल करें। हमें उम्मीद है कि आप हमसे जुड़ेंगे।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का दावा- गर्मी बढ़ा रही मजदूरों का तनाव, बीमारियों के हो रहे शिकार

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (प्स्) की नई रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया भर में गर्मी के तनाव से बेहाल हो रहे श्रमिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नए आंकड़े बताते हैं कि जिन क्षेत्रों में पहले गर्मी नहीं पड़ती थी, अब वो तापमान बढ़ने के कारण बढ़ते जोखिम का सामना करेंगे। इससे पहले से ही गर्म स्थानों पर काम कर रहे लोगों को और भी खतरनाक हालात का सामना करना पड़ेगा। अध्ययन में कहा गया कि गर्मी से होने वाला तनाव अदृश्य होता है और स्वास्थ्य पर चुपचाप असर डालता है। जिससे बहुत ही कम समय में बीमारी, लू लगने जैसे गंभीर परिणाम सामने आते हैं और कई मामलों में मौत भी हो सकती है। लंबे समय में इससे दिल, फ़ेफड़ों व किडनी की गंभीर बीमारी भी हो सकती है। रिपोर्ट में संकेत दिए गए हैं कि अफ्रीका, अरब देशों और एशिया–प्रशांत के श्रमिक गर्मी के अधिक संपर्क में आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक परिवर्तनशील कामकाजी स्थिति यूरोप और मध्य एशिया में देखने को मिल रही है। इस क्षेत्र में वर्ष 2000 से 2020 तक अत्यधिक गर्मी से सम्पर्क में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई। इससे प्रभावित श्रमिकों का अनुपात 17.3 फ़ीसदी के हिसाब से बढ़ा, जोकि वैश्विक वृद्धि के औसत से दोगुना था। अमेरिका और यूरोप व मध्य एशिया क्षेत्र गर्मी के तनाव की वजह से कार्यक्षेत्र में चोट लगने की घटनाओं में भी सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2020 में विश्व स्तर पर 4,200 कर्मियों को गर्म हवाओं के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी। वहीं 23 करोड़ 10 लाख श्रमिक गर्म हवाओं से प्रभावित हुए। ILO के महानिदेशक गिलबर्ट एफ़ हुंगबो का कहना है कि पूरा विश्व बढ़ते तापमान से जद्दोजहद कर रहा है। ऐसे में हमें पूरे वर्ष अपने श्रमिकों को गर्मी के तनाव से बचाने के प्रयास करने होंगे। अत्यधिक गर्मी से पूरे साल श्रमिकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक़ जैसे–जैसे गर्मी बढ़ रही है। वैसे–वैसे अत्यधिक गर्मी के प्रभाव से कार्यक्षेत्र में श्रमिकों को बीमारी व चोटों से बचाने के लिए सुरक्षा व स्वास्थ्य तरीक़ों में सुधार लाने से वैश्विक स्तर पर 361अरब डॉलर की बचत हो सकती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,
विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
लूकरगंज, इलाहाबाद से
मुद्रित कराकर
289/238ए,कर्नलगंज
इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।